■ वैशाख कृष्णा - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 272 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 30-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल-अखिलेश दोनों को देश की कम समझ है : धामी

6 गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे मे

7 'इंडि' गठबंधन में प्रधानमंत्री पद का उमीदवार कौन? : नड्डा

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान में गेहूं संकट के बीच किसानों को गिरफ्तार किया गया

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब की पुलिस ने गेहूं खरीद संकट के बीच सोमवार को प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज किया और लाहौर में 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पंजाब प्रांत में गेहूं की बंपर पैदावार के बाद, किसान शिकायत कर रहे हैं कि सूबे की मरयम नवाज़ सरकार गेहूं नहीं खरीद रही है और आटा मिलें उनकी फसलों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य से कम दरों की पेशकश कर रही हैं। 'किसान इतेहाद' के प्रवक्ता मियां उमेर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सोमवार को जब बड़ी संख्या में किसान धरना देने के लिए लाहौर में पंजाब विधानसभा की ओर जा रहे थे, तो पुलिस कर्मियों ने जीपीओ चौक, माल रोड पर उन पर हमला कर दिया और 200 से अधिक किसानों को गिरफ्तार कर लिया।

दंतेवाड़ा में 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को सात महिला नक्सलियों समेत 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ एरिया कमेटी में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान 'लोन वर्राटू' से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए पेड़ काटकर गिराने तथा नक्सलियों द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान पोस्टर और बैनर लगाने का आरोप है।

पश्चिमी केन्या में एक बांध के टूटने से कम से कम 40 लोगों की मौत

नैरोबी/एपी। अफ्रीकी देश केन्या के पश्चिमी इलाके में सोमवार को सुबह एक बांध के टूटने के कारण कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है। केन्या पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बांध का पानी आस-पास के इलाके में स्थित लोगों के घरों में घुस गया और पानी के बहाव के परिणामस्वरूप एक प्रमुख सड़क से संपर्क कट गया। पुलिस अधिकारी स्टीफन किरुई ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह घटना सोमवार की सुबह ग्रेट रिफ्ट घाटी क्षेत्र के माई माहिउ इलाके में स्थित 'ओल्ड किजाबे बांध' के ढहने के बाद हुई। ग्रेट रिफ्ट घाटी क्षेत्र में अचानक बाढ़ आने का खतरा बना रहता है।

शाह का फर्जी वीडियो मामला

दिल्ली पुलिस ने रेवंत रेड्डी को समन जारी किया, असम में एक गिरफ्तार

■ कथित फर्जी वीडियो में, तेलंगाना में धार्मिक आधार पर मुसलमानों के लिए आरक्षण समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताने का संकेत देने संबंधी शाह के बयान को तोड़-मरोड़कर इस तरह दिखाया गया है जैसे कि वह हर तरह का आरक्षण समाप्त करने की वकालत कर रहे हों।

■ भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई।

■ चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए शाह का 'डीप फेक और छेड़छाड़' किया गया वीडियो प्रसारित करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/हैदराबाद/भाषा। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैलाए गये केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित फर्जी वीडियो के सिलसिले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक मई को जांच में शामिल होने को कहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित कुछ राज्यों ने भी मामले में कार्रवाई की है और पहली गिरफ्तारी असम में हुई है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने रेड्डी समेत कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के पांच सदस्यों को नोटिस भेजा है। रेड्डी ने उक्त वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट किया था। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ की एक टीम ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय को एक नोटिस सौंपा। सूत्रों ने बताया कि रेड्डी को पूछताछ के दौरान अपना मोबाइल फोन साथ में लाने को कहा गया है जिसका कथित इस्तेमाल फर्जी वीडियो 'एक्स' पर साझा करने में किया गया था।

कर्नाटक के सेडम में कांग्रेस की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि ऐसे नोटिस से ''यहां कोई नहीं डरता''। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब चुनाव जीतने के लिए दिल्ली पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भाजपा ने भी सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया गया है कि उसने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए शाह का ''डीप फेक और छेड़छाड़''किया गया वीडियो प्रसारित किया और पार्टी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 'फर्जी वीडियो' के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''असम पुलिस ने माननीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में श्री रीतम सिंह नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।'' शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति 31 वर्षीय रीतम सिंह असम कांग्रेस से जुड़े हैं और पार्टी के 'वार रूम' संयोजक के तौर पर काम करते हैं।

नोटिस से डरूंगा नहीं : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 'फर्जी वीडियो' के संबंध में दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें जांच के लिए नोटिस जारी किए जाने से वह डरने वाले नहीं हैं। पड़ोसी राज्य कर्नाटक के सेडम में कांग्रेस की एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब तक चुनाव जीतने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करते रहे हैं और अब वह दिल्ली पुलिस का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में प्रधानमंत्री मोदी पर देवी-देवताओं के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ यह कार्रवाई की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है और यह पूरी तरह से एक गलत धारणा पर आधारित थी। याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता आनंद एस जोंधले ने अपनी याचिका में अदालत से देवी-देवताओं और पूजा स्थलों के नाम पर कथित तौर पर वोट मांगने के लिए मोदी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था। आनंद एस जोंधले ने तर्क दिया कि मोदी ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है और यह भारतीय दंड संहिता तथा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अपराध है। देश में इस समय लोकसभा चुनाव हो रहे हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिका कई कारणों से पूरी तरह से गलत है। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने 10 अप्रैल को भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को एक शिकायत प्रस्तुत की थी और आयोग द्वारा शिकायत का निपटारा किए जाने से पहले ही इस अदालत में याचिका दाखिल कर दी गई। उच्च न्यायालय ने कहा, याचिकाकर्ता का मानना है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है। यह पूर्वधारणा पूर्णतः अनुचित है।

केजरीवाल, आतिशी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दायर

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री आतिशी के खिलाफ सोमवार को यहां एक अदालत में आपराधिक शिकायत दायर कर उन पर भाजपा और पार्टी के सदस्यों की मानहानि का आरोप लगाया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट तान्या बामनियाल के समक्ष शिकायत दर्ज की। न्यायाधीश ने मामले को चार मई को समन-पूर्व साक्ष्य दर्ज करने के लिए सूचीबद्ध किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के दोनों नेताओं ने भाजपा पर 'आप' विधायकों को खरीदने और राज्य सरकार को गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए ''झूठे और मनगढ़ंत बयान'' दिए जिसका मकसद भाजपा और उसके कार्यकर्ताओं की प्रतिष्ठा को आम जनता में कम करना था।

देश में धर्म आधारित आरक्षण की योजना बना रही है कांग्रेस, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट (कर्नाटक)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए देश में धर्म आधारित आरक्षण की योजना बनाने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि वह किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देंगे। यहां जिला मुख्यालय में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह प्रस्ताव अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है क्योंकि अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस ने संविधान बदलने और एससी/एसटी और ओबीसी के अधिकार छीनने का अभियान शुरू किया है। हमारा संविधान धर्म आधारित आरक्षण को स्वीकार नहीं करता है। लेकिन कर्नाटक सरकार ने ओबीसी आरक्षण का एक हिस्सा मुसलमानों को दिया है। उन्होंने कहा, वे (कांग्रेस) इससे संतुष्ट नहीं होंगे। उन्होंने पहले भी अपने घोषणापत्र में धर्म आधारित आरक्षण प्रदान करने के लिए एक कानून लाने की बात कही थी। इस बार भी उनके घोषणापत्र में ऐसा ही संकेत है। मोदी ने कहा कि वह अपने दलित, एससी/एसटी और ओबीसी भाई-बहनों को कांग्रेस के इरादों से अवगत कराना चाहते हैं। मोदी ने कहा, ये लोग धर्म के आधार पर, अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए, आपके उस अधिकार को लूटने की योजना बना रहे हैं जो बाबा साहेब आंबेडकर और संविधान ने आपको दिया है।

रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेता बी एस येदियुरप्पा, बागलकोट (बागलकोट) से भाजपा उम्मीदवार पी सी गद्दीगौदर और बीजापुर (बीजापुर) से सांसद रमेश जिगाजिनागी भी मौजूद थे।

संसद में एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकतर सांसदों के भाजपा के साथ होने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, इसलिए वे महसूस करते हैं कि चूंकि एससी, एसटी और ओबीसी भाजपा के साथ हैं...तो अल्पसंख्यकों का विश्वास जीतने के लिए वे एससी, एसटी और ओबीसी से लूटकर अल्पसंख्यकों को देना चाहते हैं। क्या आप ऐसा होने देंगे?''

उन्होंने कहा, मैं आज अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी भाई-बहनों को यह गारंटी देना चाहता हूं। मैं कांग्रेस के ऐसे इरादों को सफल नहीं होने दूंगा। आपके अधिकारों, आपके आरक्षण की रक्षा के लिए मोदी किसी भी हद तक जाएगा। मैं आपको इसका आश्वासन दे रहा हूं।

देश को मजबूर नहीं, मजबूत नेतृत्व चाहिए : अमित शाह

मधुबनी/बेगूसराय(बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' गठबंधन के पास अगले पांच सालों के लिए प्रधानमंत्री पद का कोई एक चेहरा नहीं होने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि ''देश को मजबूर नहीं, मजबूत नेतृत्व'' चाहिए।

बिहार के झंझारपुर और बेगूसराय संसदीय क्षेत्र में राजग उम्मीदवारों रामप्रीत मंडल (मौजूदा जदयू सांसद) और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के पक्ष में अलग-अलग चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने जनता से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए जनादेश दिए जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मधुबनी जिला अंतर्गत फुलपरास विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर का सम्मान कांग्रेस और राजद की सरकारों ने नहीं किया, पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें ''भारत रत्न'' से सम्मानित करके बिहार के समस्त पिछड़े समाज को सम्मान प्रदान किया है।

शाह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े समाज से आते हुए जो लोकप्रियता हासिल की वह आज भी कई लोगों की ईर्ष्या का कारण बनी हुई है।

भोजशाला का सर्वेक्षण पूरा करने के लिए मिली आठ हफ्तों की मोहलत

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर का जारी सर्वेक्षण पूरा करने के लिए सोमवार को आठ हफ्तों की मोहलत दे दी। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति गजेंद्र सिंह ने एएसआई की अर्जी मंजूर करते हुए यह मोहलत दी। युगल पीठ ने सभी संबंधित पक्षों की दलीलों पर गौर के बाद एएसआई को आदेश दिया कि वह विवादित परिसर के सर्वेक्षण की संपूर्ण रिपोर्ट दो जुलाई तक पेश करे। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि एएसआई को सर्वेक्षण पूरा करने के लिए और वक्त नहीं दिया जाएगा।

बैंक ब्याज वसूली में उचित तरीका अपनाएं, ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क लौटाएं : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों के ब्याज वसूलने में अनुचित तौर-तरीके अपनाने पर सोमवार को चिंता जताते हुए उन्हें सुधारात्मक कदम उठाने और अतिरिक्त शुल्क लौटाने का निर्देश दिया।

आरबीआई के दायरे में आने वाली वित्तीय संस्थाओं (आरई) को उचित व्यवहार संहिता पर जारी दिशानिर्देशों में ऋण मूल्य निर्धारण नीति के संबंध में पर्याप्त स्वतंत्रता देने के साथ ऋणदाताओं द्वारा ब्याज वसूलने में निष्पक्षता और पारदर्शिता की वकालत की गई है।

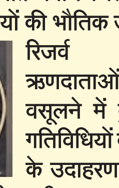

केंद्रीय बैंक ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी करते हुए कहा कि इसके निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। आरबीआई ने परिपत्र में कहा, 31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए विनियमित इकाइयों की भौतिक जांच के दौरान रिजर्व बैंक को ऋणदाताओं द्वारा ब्याज वसूलने में कुछ अनुचित गतिविधियों का सहारा लेने के उदाहरण मिले। केंद्रीय बैंक ने सभी इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे ऋण वितरण के तरीके, ब्याज लगाने और अन्य शुल्कों के संबंध में अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें और जरूरी होने पर प्रणालीगत बदलाव जैसे कदम उठाएं। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकों एवं अन्य कर्जदाताओं की जांच में पाया गया कि कई जगहों पर ऋण की मंजूरी की तारीख या ऋण समझौते के निष्पादन की तारीख से ब्याज वसूला जा रहा है, न कि ग्राहक को धन के वास्तविक वितरण की तारीख से।

प्रियंका गांधी ने कथित 'सेक्स स्कैंडल' को लेकर मोदी, अमित शाह पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कथित 'सेक्स स्कैंडल' को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर सोमवार को निशाना साधा और कहा कि इस मामले में आरोपी सांसद महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करके देश छोड़ने में कैसे कामयाब हो पाये?

कलबुर्गी जिले के सेडम शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वाद्रा ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वह महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने वालों को बचा रहे हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, ''वह व्यक्ति (प्रज्ज्वल रेवन्ना) जिसने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा किया और जिसके लिए मोदी ने वोट मांगे, उसने हजारों महिलाओं पर अत्याचार किया। मैं प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि वे इस बारे में क्या कहना चाहते हैं?''

कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ समय पहले जब वह तीन दिन के लिए अपनी बेटी (विदेश) से मिलने गईं तो मोदी और शाह कहने लगे कि वह (प्रियंका) विदेश चली गईं। उन्होंने कहा, ''उन्हें यह तो पता चल जाता है कि मैं या विपक्षी नेता कहां गए हैं लेकिन इस तरह का अपराधी, इस तरह का राक्षस देश छोड़कर चला गया और उन्हें ये पता नहीं चला?'' उन्होंने सवाल करते हुए कहा, ''हम उन पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? सारी जानकारी उनके पास जाती है वे सभी नेताओं पर नजर रखते हैं कि वे कहां जा रहे हैं लेकिन कोई ऐसा व्यक्ति जो इतना बड़ा अपराध करके उनकी नाक के नीचे से देश छोड़कर भाग जाए और उन्हें जानकारी ही न हो?

कर्नाटक सरकार ने जद (एस) प्रमुख एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना की संलिप्तता वाले कथित 'सेक्स स्कैंडल' की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पुलिस ने उनके घर में काम करने वाली एक महिला की शिकायत के आधार पर प्रज्ज्वल और उनके पिता एच.डी. रेवन्ना पर भी यौन उत्पीड़न तथा आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है।

लाल सागर में कंटेनर पर मिसाइल हमला, हूती बागियों पर शक

यरूशलम/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सोमवार को एक कंटेनर पोत को निशाना बनाकर कथित रूप से मिसाइल से हमला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस अहम समुद्री मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय पोतों के खिलाफ उनके अभियान की कड़ी में नया हमला है। ब्रिटेन की सेना की 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने कहा कि यह हमला यमन में मोखा के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। इसके अलावा उसने और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। उसने क्षेत्र से गुज़रने के दौरान पोतों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया। निजी सुरक्षा कंपनी 'अम्ब्रे' ने कहा कि माल्टा का ध्वज लगे कंटेनगर पोत को तीन मिसाइल के जरिए निशाना बनाया गया है। यह कंटेनर ज़िबूती से सऊदी अरब के जेद्दा की ओर जा रहा था।

तटरक्षक बल ने 173 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया, दो लोग हिरासत में

अहमदाबाद/नई दिल्ली/भाषा। तटरक्षक बल ने गुजरात अपतटीय क्षेत्र में मछली पकड़ने वाली एक भारतीय नौका से 173 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है और उसमें सवार चालक दल के दो सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। तटरक्षक बल ने अहमदाबाद में जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि बल और गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने रविवार दोपहर संयुक्त अभियान में समुद्र से मछली पकड़ने वाली एक नौका को पकड़ा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संयुक्त अभियान के दौरान नौका से 173 किलोग्राम हशीश बरामद की गई और उस पर सवार दो भारतीयों को हिरासत में ले लिया गया।

30-04-2024 सूर्यास्त 5:58 बजे	01-05-2024 सूर्योदय 6:34 बजे
BSE 74,671.28 (+941.12)	NSE 22,643.40 (+223.45)
सोना 7,644 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 86,016 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फैक मिडिया

सबसे घातक सोशल मिडिया,
जो बढ़ा रहा अपराध रोज।
कुछ भी कर दे अपराध कोई ,
कर नहीं पा रहे उसे खोज।
हो रहे भ्रमित पढ़ फेक न्यूज़,
कर रहे धूर्त सब गिद्ध भोज।
वैमनस्य घृणा आतंक द्वेष,
फैलाने वाले करे मौज।।

कांग्रेस सत्ता हथियाने का सपना देख रही पर पहले दो चरणों में ही हार गया 'इंडि' गठबंधन : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोलापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस अपनी 'दागदार पृष्ठभूमि' के बावजूद सत्ता हथियाने का सपना देख रही है लेकिन उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में 'इंडि' गठबंधन पहले ही हार चुका है। मोदी ने सोलापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व को लेकर 'इंडि' गठबंधन में एक 'महायुद्ध' हो रहा है और वे 'पांच वर्ष में पांच प्रधानमंत्री' का फार्मूला लेकर आए हैं, जो अंतत: देश को लूटेंगे।

उन्होंने कहा कि लोगों ने 10 वर्ष तक उनकी परीक्षा ली है जबकि 'इंडि' गठबंधन में नेतृत्व का संकट है। मोदी ने कहा, इस चुनाव में आप अगले पांच वर्ष के विकास की गारंटी चुनेंगे। दूसरी तरफ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवाद और कुशासन दिया। अपने दागदार इतिहास के बावजूद कांग्रेस एक बार फिर देश में सत्ता हथियाने का सपना देख रही है लेकिन उन्हें नहीं पता कि चुनाव के पहले दो चरणों में इंडि गठबंधन को परास्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जनता ने 10 वर्ष तक मोदी की परीक्षा ली है और उसने उनका हर कदम देखा है और उनके हर शब्द को मापा है। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ नेतृत्व को लेकर 'इंडि' गठबंधन में 'महायुद्ध' हो रहा है। उन्होंने कहा, क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ में देश की बागडोर सौंपेंगे जिसने नाम या चेहरा (प्रधानमंत्री उम्मीदवार का) तय नहीं किया है? क्या कोई ऐसी गलती करेगा?''

विपक्षी खेमे पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कुछ लोग सत्ता छीनने के लिए देश में कलह पैदा कर रहे हैं और उन्होंने 'पांच वर्ष में पांच प्रधानमंत्री' का फार्मूला तैयार किया है। उन्होंने कहा, एक वर्ष, एक पीएम। पहला जितना चाहेगा लूटेगा, दूसरा लूटता रहेगा और फिर तीसरा, चौथा और पांचवां भी ऐसा ही करेगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि 'नकली' शिवसेना कहती है कि उनके पास नेतृत्व के लिए कई विकल्प हैं। उन्होंने कहा, क्या देश 'पांच वर्ष में पांच प्रधानमंत्री' के इस फॉर्मूले पर चल सकता है? वास्तव में, वे देश नहीं चलाना चाहते हैं और उन्हें आपके भविष्य की चिंता नहीं है। वे सिर्फ मलाई खाना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में केंद्र सरकार का जोर सच्चे, सामाजिक न्याय की कोशिश रहा जबकि कांग्रेस ने 60 वर्ष के शासन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के अधिकारों को छीनने का काम किया।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सामाजिक न्याय की भूमि है। उन्होंने कहा, आपने कांग्रेस का 60 वर्ष का शासन देखा है और मोदी के 10 वर्ष के सेवा काल को भी देखा है। सामाजिक न्याय के लिए पिछले एक दशक में जिस तरह काम किया गया, वह आजादी के बाद नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि यह उनकी (कांग्रेस की) नीति है कि पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं किया जाए ताकि वे उन पर 'आश्रित' रहें और वोट हासिल किए जा सकें।

प्रधानमंत्री ने गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश प्रर्व पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नौवें सिख गुरु तेग बहादुर को उनके प्रकाश प्रर्व के मौके पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका जीवन एक मार्गदर्शक की तरह कार्य करता है, जो धार्मिकता एवं भक्ति के मार्ग को रोशन करता है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं श्री गुरु तेग बहादुर जी को उनके प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर नमन करता हूं। उन्हें दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा साहस, करुणा और निस्वार्थता के अवतार के रूप में याद किया जाता है। उनका जीवन एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में कार्य करता है, जो धार्मिकता और भक्ति के मार्ग को रोशन करता है।

वरिष्ठ नेता एस एम कृष्णा अस्पताल में भर्ती

बेंगलूरु। अनुभवी नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा को 'मामूली बीमारी' के उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल ने सोमवार को यह जानकारी दी। अस्पताल ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वह स्वस्थ हो रहे हैं। अस्पताल ने एक बयान में बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री का उपचार डॉ. सत्यनारायण मैसूर और चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम कर रही है। बयान में कहा गया है, 'कृष्णा चिकित्सकीय रूप से स्थिर हैं। वह स्वस्थ हो रहे हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।' कृष्णा को इस माह की शुरुआत में भी सांस की दिक्कत के कारण शहर के एक अन्य सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया था।

यशवंतपुर से बिलासपुर के लिए विशेष ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेन संचालित की जाएंगी। ट्रेन नं. 08291/08292 बिलासपुर-यशवंतपुर-बिलासपुर एक्सप्रेस के नौ फैरे लगवाए जा रहे हैं।

ट्रेन नं. 08291 बिलासपुर प्रत्येक शनिवार और मंगलवार यह ट्रेन अप्रैल 30 मई 4, 7, 11, 14, 18, 21, 25 और 28 तारीखों को चलेगी। यह ट्रेन बिलासपुर से रात्रि 20.00 बजे रवाना होकर तीसरे दिन 00.30 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नं. 08292 यशवंतपुर से सोमवार और गुरुवार को मई में 2, 6, 9, 13, 16, 20, 23, 27 और 30 तारीख को चलेगी। यह ट्रेन यशवंतपुर से 04.30 बजे रवाना होकर दूसरे दिन 09.00 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन बिलासपुर से रवाना होकर भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डूंगरगढ़, गोंदिया, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचेरियाल, पेद्दापल्ली, काजीपेट, सिकन्दराबाद, लिंगमपल्ली, विक्राबाद, रायचूर, अदोनी, गुंटकल, धर्मावरम, यलहंका होते हुए यशवंतपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 21 कोच होंगे जिसमें 2 टियर एसी का एक, 3 टियर एसी का 2, स्लीपर क्लॉस के 10, जनरल सेकेन्ड क्लास के 6 व 2 एसएलआर/डी कोच होंगे। यात्री इस ट्रेन में यात्रा के लिए रिजर्वेशन करवा सकते हैं।

कांग्रेस नेता शरणकुमार मोदी के खिलाफ 'रिश्वत' का मामला दर्ज : निर्वाचन आयोग

बेंगलूरु। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को बताया कि कांग्रेस नेता और पूर्व महापौर शरणकुमार मोदी और तीन अन्य के खिलाफ रिश्वत के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आयोग के मुताबिक यह कदम उनके पास से 1.99 करोड़ रुपये की नकदी बरामद होने के बाद उठाया गया। आयकर विभाग के अधिकारियों ने शनिवार की सुबह मोदी की कार से इस बेहिसाब राशि को जब्त किया था। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर पोस्ट कर बताया कि कांग्रेस नेता और कलबुर्गी के पूर्व महापौर शरणकुमार मोदी और तीन अन्य के खिलाफ वडी रेलवे पुलिस थाना में 28 अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज की गई और उनके पास से 1.99 करोड़ रुपये जब्त किए गए। पोस्ट में कहा गया है कि रिश्वतखोरी और अनुचित प्रभाव के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 और भारतीय दंड संहिता की अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ईमेल में गोवा हवाई अड्डे पर बम रखा होने का दावा, सुरक्षा बढ़ाई गई

पणजी/भाषा। गोवा में प्रशासन सोमवार को उस समय सकते में आ गया जब एक ईमेल में दक्षिण गोवा के दाबोलिम हवाई अड्डे पर बम रखे होने का दावा किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विमानपत्तन परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हवाई अड्डा निदेशक एस वी टी धनंजय राव ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि उनके कार्यालय को आज सुबह एक ईमेल मिला जिसमें हवाई अड्डे पर बम रखे होने की बात कही गई।

राव ने कहा, अब हम अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। हवाई अड्डे पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, वहीं विमान परिचालन अप्रभावित है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गोवा पुलिस को हवाई अड्डे के अधिकारियों से इस संबंध में औपचारिक शिकायत मिली थी और बम निरोधक दस्ता इलाके की छानबीन कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हम तय प्रोटोकॉल के अनुसार काम कर रहे हैं। हवाई अड्डा निदेशक ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ईमेल कहां से भेजा गया था जिसमें देश के अन्य हवाई अड्डों को भी संबोधित किया गया है।

सेबी ने बीएसई के लिए नियामक शुल्क पर नया निर्देश किया जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी के बीएसई को प्रीमियम मूल्य के बजाय उसके विकल्प अनुबंधों के 'कुल मूल्य' के आधार पर शुल्क का भुगतान करने का निर्देश देने के बाद शेयर बाजार को अब अधिक नियामक शुल्क चुकाना पड़ सकता है। भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) के इस कदम के बाद बीएसई का शेयर सोमवार को एनएसई में 13.68 प्रतिशत तक गिरकर 2,771.250 रुपए पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय करीब 19 प्रतिशत तक लुढ़क गया था।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अलुबंध के कुल मूल्य (नोशनल वैल्यू) तथा प्रीमियम मूल्यों के बीच बड़े अंतर के कारण सेबी को बीएसई के नियामक शुल्क भुगतान में वृद्धि होगी। बीएसई ने शुक्रवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को दी सूचना में कहा, बीएसई को विकल्प अनुबंध के मामले में कुल मूल्य पर विचार करते हुए सेबी को वार्षिक कारोबार के आधार पर नियामक शुल्क का भुगतान करने की सलाह दी जाती है। सूचना में कहा गया, साथ ही बीएसई को बची हुई बिना भुगतान वाली राशि पर 15 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ पिछली अवधि के लिए नियामक शुल्क का भुगतान करने को कहा गया है। पत्र प्राप्त होने के एक महीने के भीतर राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। सेबी के पत्र में उल्लेख किया गया कि डेरिवेटिव अनुबंधों की शुरुआत के बाद से बीएसई कुल मूल्य के बजाय विकल्प अनुबंधों के लिए प्रीमियम मूल्य पर विचार करते हुए नियामक को वार्षिक कारोबार पर नियामक शुल्क का भुगतान कर रहा है।

बीएसई ने रविवार को कहा कि वह वर्तमान में सेबी के पत्र में किए गए दावे की वैधता का मूल्यांकन कर रहा है। विकल्प कारोबार में 'नोशनल' यानी कुल कारोबार किए गए सभी अनुबंधों के कुल खरीद/बिक्री मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि 'प्रीमियम टर्नओवर' कारोबार किए गए सभी अनुबंधों पर भुगतान किए गए 'प्रीमियम' का योग है। चूंकि कुल मूल्य 'प्रीमियम' कारोबार से अधिक है, ऐसे में कुल कारोबार का चयन करने पर उच्च शुल्क का भुगतान करना होगा।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल भ्रष्ट, परिवारवाद की राजनीति को देते हैं बढ़ावा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडि') भ्रष्टाचार और परिवारवाद का गठबंधन है और इसमें शामिल पार्टियां अपने परिवारों के बच्चों को बचाने में लगी हुई हैं।

खम्मम लोकसभा क्षेत्र के कोठागुडेम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी जमानत पर हैं या नहीं? सोनिया गांधी जमानत पर हैं या नहीं? ये सभी लोग जमानत पर हैं। पी चिदंबरम, कार्ति चिदंबरम, लालू यादव, ये सभी जमानत पर हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप के अन्य नेता तथा बीआरएस एमएलसी के. कविता जेल में हैं या नहीं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ये सभी लोग या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं। ये सभी लोग भ्रष्ट हैं। उनका आपसे कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सिर्फ अपने परिवार की चिंता है।

अपने संबोधन के दौरान नड्डा ने केंद्र में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विभिन्न विकास कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तार से बताया।

सूखा प्रबंधन के लिए कर्नाटक को करीब 3,400 करोड़ रुपये जारी किए गए : केंद्र ने न्यायालय में कहा

नई दिल्ली/बेंगलूरु। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि कर्नाटक में सूखा प्रबंधन के लिए राज्य सरकार को लगभग 3,400 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ कर्नाटक सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने के लिए केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से पूछा, कुछ राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि लगभग 3,400 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। कर्नाटक की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि 3,450 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं लेकिन राज्य का अनुरोध 18,000 करोड़ रुपये की सहायता के लिए था। एक अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा (राज्य का) निरीक्षण किया गया था, जिसने एक उप-समिति को रिपोर्ट भेजी थी। सूखे के कारण जिन परिवारों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, उन्हें राहत प्रदान करने के लिए मांगी गई राशि 12,577 करोड़ रुपये है। सिब्बल ने कहा, हमारे अनुसार समस्या यह है कि इस विशेष दावे पर ध्यान ही नहीं दिया गया और यह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत भारत सरकार की नीति का हिस्सा है।

दिल्ली में आप-कांग्रेस गठबंधन का श्रेय भी लवली को जाता है : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की आलोचना करते हुए अरविंदर सिंह लवली के दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने के बाद आप ने सोमवार को इस गठबंधन का श्रेय कांग्रेस नेता को दिया। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन का श्रेय लवली को जाता है।

कांग्रेस नेता लवली के इस्तीफे के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, मैं यह जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि लवली ने कांग्रेस के साथ हमारे गठबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे अब उनके विपरीत विचारों के कारणों की जानकारी नहीं है। उन्होंने लवली को इस बात पर भी धन्यवाद दिया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था तब वह उनके आवास पर पहुंचने वाले पहले कांग्रेस नेता थे। सिंह ने कांग्रेस के साथ हुए गठबंधन के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भी उन्हें धन्यवाद दिया। संजय सिंह ने इस बारे में और कुछ कहने से इनकार करते हुए कहा कि लवली का इस्तीफा कांग्रेस का आंतरिक मामला है।

पिछले साल अगस्त में दिल्ली कांग्रेस की कमान संभालने वाले लवली ने अपने त्यागपत्र में 'आप' के साथ पार्टी के गठबंधन और लोकसभा चुनाव में क्रमश: उत्तर पूर्वी दिल्ली और उत्तर पश्चिम दिल्ली सीट से कन्हैया कुमार एवं उदित राज को मैदान में उतारने के फैसले की आलोचना की।

लवली ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ थी, लेकिन पार्टी आलाकमान ने फिर भी आप के साथ गठबंधन किया। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्ल्युसिव एलायंस' (इंडि) के दो घटकों के बीच हुए सीट-बंटवारे के तहत, कांग्रेस ने दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से तीन पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बाकी चार सीटों पर आप चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस और आप में यह सहमति तब बनी जब दोनों पार्टियों ने पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया।

वोट के जरिए अनुच्छेद-370 निरस्त करने पर अपनी नाखुशी जाहिर करें : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं से मौजूदा लोकसभा चुनाव में अपने वोट के माध्यम से संविधान के अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को निरस्त करने पर अपनी नाखुशी दर्ज कराने की अपील की है।

महबूबा ने सोमवार को अनंतनाग जिले के लारकीपोरा इलाके में सड़क किनारे एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, यह कोई विधानसभा चुनाव नहीं है। यह इस बारे में नहीं है कि पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस अथवा कांग्रेस पार्टी जीतेगी या नहीं। यह चुनाव एक संदेश देने वाला है कि 2019 में लिए गए फैसले और उसके बाद जो हुआ वह लोगों को स्वीकार्य नहीं है।

गौरतलब है कि अगस्त 2019 में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अतीत में बहुत कठिन दौर से गुजरा है और वर्तमान परिस्थिति भी कठिन है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने अतीत में बेहद कठिन समय देखा है। वह समय भी नहीं रहा और न ही यह मौजूदा (परिस्थिति) रहेगी, लेकिन ऐसा केवल तभी संभव है जब हम इसे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीकों से मिलकर लड़ेंगे।

महबूबा ने कहा कि लोग पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) से कुछ समय से नाराज हो सकते हैं, लेकिन उन्हें एहसास है कि पार्टी ने उन्हें टास्क फोर्स, विद्रोही इखवान समूह और आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) से बचाया है।

पीपीडी अध्यक्ष ने कहा, यह मुफ्ती मोहम्मद सईद (जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और महबूबा मुफ्ती के पिता) के कार्यकाल के दौरान था जब विकास का एक नया युग शुरू हुआ था। भारत और पाकिस्तान के बीच एक संवाद प्रक्रिया शुरू हुई थी और प्रमुख मुद्दों पर कुछ हलचल होती दिख रही थी।

महबूबा अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं, जहां सात मई को मतदान होना है।

सरकारी बैंकों पर 'लुकआउट सर्कुलर' संबंधित आदेश का अध्ययन कर रहा वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय बंबई उच्च न्यायालय के हालिया आदेश का अध्ययन कर रहा है, जिसमें उसने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ 'लुकआउट' सर्कुलर या एलओसी जारी करने से रोक दिया है। बंबई उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह आदेश दिया था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास कर्ज नहीं चुकाने वालों के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी करने का कानूनी अधिकार नहीं है। सूत्रों ने कहा कि वित्त मंत्रालय 26 अप्रैल के फैसले से अवगत है और वह आदेश का विस्तृत मूल्यांकन करेगा। आदेश का अध्ययन करने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला किया जाएगा।

न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के कार्यालय ज्ञापन के उस धारा को भी असंवैधानिक करार दिया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरपर्सन को कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ एलओसी जारी करने का अधिकार दिया गया था। अदालत ने यह भी कहा कि उसका फैसला किसी भी चूककर्ता के खिलाफ न्यायाधिकरण या आपराधिक अदालत के आदेशों को प्रभावित नहीं करेगा, जिसमें उन्हें विदेश यात्रा करने से रोका गया हो। केंद्र ने 2018 में कार्यालय ज्ञापन में संशोधन कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भारत के आर्थिक हित में एलओसी जारी करने का अधिकार दिया था।

सेरेलैक को नस्लीय रूप से बनाने का आरोप दुर्भाग्यपूर्ण : नेस्ले इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

Nestlé
Good Food, Good Life

गुरुग्राम/भाषा। दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली नेस्ले इंडिया ने सोमवार को कहा कि 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए कंपनी का शिशु आहार फॉर्मूला वैश्विक आधार पर तैयार किया जाता है और इसे नस्लीय रूप से बनाए जाने का आरोप दुर्भाग्यपूर्ण एवं असत्य है।

इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड की कंपनी नेस्ले पर कम विकसित देशों में अधिक चीनी सामग्री वाले उत्पाद बेचने का आरोप लगाया गया था। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने इस मसले पर यहां संवाददाताओं से कहा कि शिशु आहार में चीनी की मात्रा एक विशेष आयु वर्ग के पोषण प्रोफाइल को पूरा करने की क्षमता से निर्धारित होती है और यह सार्वभौमिक है। उन्होंने दावा किया कि शिशु आहार उत्पाद सेरेलैक में चीनी की मात्रा खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई की तरफ से तय सीमा से काफी कम है।

नारायणन ने कहा, इस उत्पाद में ऐसा कुछ भी नहीं है जो इसे ऐसा उत्पाद बनाता हो जिसके सेवन से बच्चे को कोई खतरा हो या किसी तरह का नुकसान हो। इस उत्पाद में मौजूद अधिकांश चीनी प्राकृतिक शर्करा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुताबिक, शिशु आहार में चीनी का स्वीकार्य स्तर प्रति 100 ग्राम पाउडर में 13.6 ग्राम का है। नारायणन ने कहा, नेस्ले के उत्पाद में यह मात्रा 7.1 ग्राम है, जो तय मानकों और अधिकतम सीमा से काफी कम है। स्विट्जरलैंड के गैर-सरकारी संगठन पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) ने हाल ही में कहा कि नेस्ले ने यूरोपीय देशों की तुलना में भारत जैसे कम-विकसित देशों में अधिक चीनी की मात्रा वाले शिशु आहार की बिक्री की। इन आरोपों पर नेस्ले इंडिया के प्रमुख ने कहा कि 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के भोजन के लिए हर उत्पाद वैश्विक आधार पर तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा, पोषण संबंधी पर्याप्तता का अध्ययन करने के लिए कोई स्थानीय दृष्टिकोण नहीं है। विश्व स्तर पर बढ़ते बच्चों को भरपूर ऊर्जा वाले उत्पादों की जरूरत होती है और उसी के हिसाब से उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

स्त्री-पुरुष समानता वाले संगठनों के प्रति महिला कर्मचारी अधिक वफादार: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। स्त्री-पुरुष समानता के लिहाज से अग्रणी संगठनों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों में 'पिछड़े' संगठनों की तुलना में तीन गुना अधिक वफादारी, उत्पादकता और प्रेरणा होती है। एक सर्वेक्षण में यह आकलन पेश किया गया है।

सलाहकार फर्म डेलॉयट की सोमवार को जारी 'वूमेन एट वर्क' रिपोर्ट के मुताबिक, घर के बजाय दफ्तर जाकर काम करने का रुझान बढ़ने से कई महिला पेशेवरों के लिए तालमेल बिठा पाना मुश्किल हो गया है। बदले हुए हालात में लगभग 41% महिलाओं ने अपने काम के घंटे कम करने की मांग की है जबकि 31% महिलाओं ने इसका मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ने की बात कही है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि दफ्तर और 'वर्क फ्रॉम होम' के मिले-जुले रूप यानी हाइब्रिड मॉडल में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के लिए हालात थोड़े बेहतर नजर आ रहे हैं। डेलॉयट के मुताबिक, स्त्री-पुरुष समानता के लिहाज से अग्रणी (जीईएल) संगठनों के लिए काम करने वाली महिलाओं में 100 के पैमाने पर वफादारी 76, उत्पादकता 75 और प्रेरणा एवं अपनेपन की भावना का स्तर 71 रहा है।

कांग्रेस ने कर्नाटक को लूट का 'एटीएम' बना रखा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां एक चुनावी सभा में कहा कि मोदी पीछे से हमला करने में विश्वास नहीं करता है बल्कि और खुले तौर पर आमने-सामने लड़ने में यकीन रखता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बालाकोट हवाई हमलों के बारे में जानकारी किसी से नहीं छिपाई और हमलों के बाद दुश्मनों को हुए नुकसान के बारे में देश को जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''मैंने सुरक्षा बलों से कहा था कि वे मीडिया को बुलाकर इसकी सूचना दें। मैंने कहा था कि मैं टेलीफोन के माध्यम से पाकिस्तान को रात में हवाई हमले और उससे हुई तबाही के बारे में सूचित करूंगा, लेकिन पाकिस्तान के लोग फोन पर नहीं आए। इसलिए मैंने सुरक्षा बलों से इंतजार करने को कहा और उन्हें सूचित करने के बाद हमने रात के दौरान हुए हवाई हमलों के बारे में दुनिया के सामने खुलासा किया।'' उन्होंने कहा कि मोदी न तो चीजों को छिपाता है और न ही छिप कर वार करता है और वह जो करता है, खुलकर करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ने भारत को विनिर्माण का केंद्र और कौशल केंद्र बनाने का संकल्प लिया है और यह संकल्प उन लोगों द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता जो छुट्टियां बिताने का आनंद ले रहे हैं, क्योंकि इसके लिए प्रयास करने के वास्ते दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है।

रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा, बागलकोट से भाजपा उम्मीदवार पी सी गद्दीगौदर और बीजापुर से सांसद रमेश जिगाजिनागी भी मौजूद थे। कांग्रेस पर लूट का आरोप लगाते हुए उन्होंने जनता से पूछा कि क्या देश की कमान उसके हाथों में सौंपी जा सकती है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी ने कर्नाटक को अपनी लूट का 'एटीएम' बना दिया है और बहुत कम समय में उन्होंने राज्य का खजाना खाली कर दिया। उन्होंने कांग्रेस पर कर्नाटक में सरकार नहीं बल्कि वसूली 'गैंग' चलाने का आरोप लगाते हुए कहा, स्थिति यह है कि विधायकों को समय पर विकास के लिए धन नहीं मिल रहा है और वह दिन दूर नहीं जब कर्नाटक सरकार अपने कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ होगी। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पानी के संकट पर टैंकर माफिया की मदद करके बेंगलूरु के 'टेक हब' को 'टैंकर हब' में बदल दिया है और पार्टी को इसका कमीशन पहुंच रहा है साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी लाखों करोड़ रुपये के 2जी घोटाले जैसे बड़े घोटाले का सपना देख रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कट्टरपंथी ताकतें बेलगाम हो गई हैं। मोदी ने बेंगलूरु में 'हनुमान चालीसा' सुनने पर एक दुकानदार पर कथित हमले और शहर के कैफे में बम विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा, ये सामान्य अपराध की सामान्य घटनाएं नहीं हैं, यह आतंकवाद और कट्टरपंथी मानसिकता है और कांग्रेस वोट हासिल करने के लिए इन ताकतों को बचाने की कोशिश कर रही है।''

राज्य में गैरजिम्मेदार सरकार : बीएस येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येडीयुरप्पा ने अनुरोध किया कि पीसी गद्दीगौडर और रमेश जिगाजिनागी को 2 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीतना चाहिए। वह सोमवार को बागलकोट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित एक विशाल सार्वजनिक बैठक के दौरान बोल रहे थे। राज्य में पीने के पानी की कमी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि किसान संकट में हैं फिर भी यह सरकार अपने हाथ बांध कर बैठी है। उन्होंने कहा कि ऐसी गैरजिम्मेदार सरकार को कर्नाटक में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

विधायक बीआर पाटिल यतनाल ने अपनी बात करते हुए कहा कि उनसे सनातन धर्म को बचाने के लिए भाजपा को वोट देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आप सभी को हुब्बल्ली की घटना याद है; बागलकोट की लड़कियों की सुरक्षा के लिए भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करें। आलू से सोना निकालने वाले राहुल गांधी ने बताया कि विरासत में मिली संपत्ति पर भी 55 प्रतिशत टैक्स लगता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंदा करजोला ने कहा कि कांग्रेस धोखेबाज पार्टी है. मोदीजी की गारंटी का मतलब है विकास की निश्चितता। उन्होंने सभी 28 सीटों पर बीजेपी-जेडीएस पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। इस मौके पर मंच पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, उम्मीदवार रमेश जिगाजिंगी और पी.सी.गद्दीगौडर, पूर्व मंत्री, विधायक, पार्टी के राज्य और जिला पदाधिकारी, पार्टी नेता मौजूद थे। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करने के लिए उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

'सेक्स स्कैंडल' ने भारतीयों की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया : अलका लांबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) पर हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित 'सेक्स स्कैंडल' पर चुप रहने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा के इस भयावह मामले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। लांबा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने और यहां तक कि उनके साथ क्रूरता किए जाने के 3,000 से अधिक वीडियो ने कन्नड़ लोगों और भारतीयों की अंतरात्मा को समान रूप से झकझोर दिया है।''

रेवन्ना (33) जद (एस) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पोते हैं। जद(एस) पिछले साल सितंबर में राजग में शामिल हुआ था। रेवन्ना हासन लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार हैं, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रेवन्ना मतदान होने के बाद देश छोड़कर चले गए। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने कथित सेक्स स्कैंडल' की जांच के लिए रविवार को एक विशेष जांच दल का गठन किया। कथित रूप से रेवन्ना से जुड़े कुछ आपत्तिजनक वीडियो हालिया दिनों में प्रसारित हुए हैं। लांबा ने कहा कि सैकड़ों महिलाओं के साथ यौन हिंसा के भयावह मामले ने देश को झकझोर कर रख दिया है।

उन्होंने कहा, ''असहाय महिलाओं के खिलाफ यौन क्रूरता के इन कृत्यों ने सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की अनैतिकता को उजागर किया है लेकिन इस भयावह मामले में भाजपा और जद (एस) की चुप्पी एवं उदासीनता अत्यंत शर्मनाक है।'' लांबा ने आरोप लगाया कि इनमें से कुछ वीडियो पीड़िताओं की सहमति के बिना रिकॉर्ड किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन वीडियो में महिलाएं बख्शने की गुहार लगाती दिख रही हैं, लेकिन सांसद उनके साथ क्रूरता एवं उनका यौन उत्पीड़न कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी 'कार्यकर्ताओं', पंचायत सदस्यों, बुजुर्ग महिलाओं, मदद मांगने आई महिलाओं और यहां तक कि घरेलू सहायिकाओं को भी नहीं बख्शा गया।

उन्होंने कहा, ''भयावह तथ्य यह है कि यौन अपराध करने वाले इस शिकारी सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के कृत्यों का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल, 2024 को पुराने मैसूर क्षेत्र में प्रचार करते समय समर्थन किया था।'' लांबा ने कहा, ''भाजपा, जद (एस) अब भी चुप है जो आपको उनका असल महिला विरोधी डीएनए दिखाता है। क्या भाजपा या जद (एस) जवाब देंगे?''

जांच के लिए एसआईटी गठित

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों की तीन सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) बिजय कुमार सिंह करेंगे। अन्य दो सदस्य, सहायक पुलिस महानिरीक्षक सुमन डी. पेनेकर और मैसूरु की पुलिस अधीक्षक सीमा लाटकर हैं।

मेरे और सांसद बेटे के खिलाफ उत्पीड़न के आरोप राजनीति से प्रेरित : एचडी रेवन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक विधानसभा में जनता दल सेक्युलर के विधायक और पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना ने सोमवार को कहा कि वह उनकी और उनके बेटे एवं हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की कथित संलिप्तता वाले यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर आरोप साबित होते हैं तो हम कानून के मुताबिक सजा भुगतने को तैयार हैं। वहीं रेवन्ना के भाई एवं पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि हासन से सांसद और उनके भतीजे प्रज्ज्वल रेवन्ना का इस मामले में बचाव करने का कोई सवाल ही नहीं है और अगर एसआईटी जांच में आरोप साबित होते हैं तो पार्टी 'निर्मम कार्रवाई' करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री और जद(एस) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के बड़े बेटे रेवन्ना ने आरोप लगाया कि इस पूरे मुद्दे के 'पीछे राजनीति' है। उन्होंने कहा कि उनका बेटा प्रज्ज्वल रेवन्ना जब भी उससे कहा जाएगा वह जांच में शामिल होगा। कथित तौर पर सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न में प्रज्ज्वल रेवन्ना की संलिप्तता वाले कुछ वीडियो क्लिप हाल के दिनों में हासन में सामने आए हैं।

हासन जिले के होलेनरासीपुर पुलिस थाने में रेवन्ना के घर में बतौर घरेलू सहायिका के तौर पर काम चुकी महिला की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 354 (डी) (पीछा करना) और 506 (आपराधिक धमकी) और 509 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के मकसद से कुछ बोलना, इशारा या हरकत करना) के तहत रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

एचडी रेवन्ना ने यहं संवाददाताओं से कहा, ''हम यहीं हैं, हम कानून का सामना करेंगे...कोई चार-पांच साल पहले की चीज मिली है और मामला दर्ज हुआ है ...मैं इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं दूंगा क्योंकि जांच एसआईटी को दी गई है और उनकी जांच बाधित नहीं की जानी चाहिए।'' मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने की बात बताए जाने पर उन्होंने कहा, यह राजनीति है, मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। वे (कांग्रेस) सरकार में हैं और वे जो चाहेंगे वही करेंगे। रेवन्ना ने कहा, ये सब आज से नहीं हो रहा, ''देवेगौड़ा परिवार पिछले 40 साल से कांग्रेस के निशाने पर रहा है।

सीओडी (अब सीआईडी), लोकायुक्त जांच, हम पिछले 40 सालों से झेल रहे हैं। मैं किसी भी बात पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता...उन्हें कानून के मुताबिक कार्रवाई करने दीजिए।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर उनकी देवेगौड़ा से बात नहीं हुई है। प्रज्ज्वल के ठिकाने के बारे में पूछे जाने पर रेवन्ना ने कहा, ''आम तौर पर उसे जाना था (बिना बताए कि कहां), और वह चला गया। क्या उसे पता था कि वे प्राथमिकी दर्ज करेंगे और एसआईटी का गठन करेंगे? जांच के लिए बुलाए जाने पर वह आएगा।''

प्रज्ज्वल रेवन्ना को निलंबित करेगा जद (एस) : कुमारस्वामी

शिवमोग्गा। जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि पार्टी ने उनके भतीजे और हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना को कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोप में निलंबित करने का फैसला किया है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया मांगने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस के हमलों के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ने जद (एस) के गठबंधन सहयोगी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मामले से दूर रखने की भी मांग की। प्रज्ज्वल लोकसभा चुनाव के लिए हासन निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा-जद (एस) गठबंधन के उम्मीदवार हैं, जहां शुक्रवार को मतदान हुआ था। कुमारस्वामी ने कहा कि निर्णय पहले ही हो चुका था। कल हुब्बली में कोर कमेटी की बैठक में इसकी अनुशंसा की जानी है। क्योंकि वे (प्रज्ज्वल) सांसद हैं, इसलिए यह दिल्ली से करना होगा।

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीनिवास प्रसाद का निधन

कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सोमवार को मैसूरु में दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद वी.श्रीनिवास प्रसाद के अंतिम दर्शन किए।

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के चामराजनगर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री वी श्रीनिवास प्रसाद का सोमवार को निधन हो गया। उनके पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रसाद का बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था और आज सुबह तड़के उन्होंने अंतिम श्वांस ली। वह 76 वर्ष के थे। प्रसाद के परिवार में उनकी पत्नी और तीन बेटियां हैं। 1प्रसाद चामराजनगर से छह बार सांसद और मैसूरु जिले के नंजनगुड से दो बार विधायक चुने गए। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे।

प्रसाद ने इस साल 18 मार्च को चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी। उन्होंने पहली बार 1974 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा था। वह 1976 में तत्कालीन जनता पार्टी से जुड़े और 1979 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

प्रधानमंत्री ने शोक जताया

बेंगलूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भाजपा सांसद वी श्रीनिवास प्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें सामाजिक न्याय का चैंपियन बताया, जिन्होंने अपना जीवन गरीबों, वंचितों और हाशिए पर रहे लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने 'एक्स' को कहा, 'वरिष्ठ नेता और चामराजनगर से सांसद वी श्रीनिवास प्रसाद के निधन से मुझे बेहद दुख हुआ है। वे सामाजिक न्याय के समर्थक थे।

सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी की मांग, प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बड़ी संख्या में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपों का सामना कर रहे हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस ने कर्नाटक में सोमवार को प्रदर्शन किया। जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना (33) के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हुब्बल्ली, हासन और बेंगलूरु सहित अन्य स्थानों पर प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों में, बड़ी संख्या में कांग्रेस की महिला सदस्य भी थीं।

बेंगलूरु में, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के बाहर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस प्रमुख अलका लांबा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी गांधी परिवार को गाली दे रहे हैं क्योंकि उनके पास अपनी कोई उपलब्धि नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरमिटकल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गांधी परिवार को गाली दे रहे हैं क्योंकि उनके पास श्रेय लेने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। यादगिर जिले के गुरमिटकल कस्बे में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खरगे ने दावा किया कि शुरुआती दो चरणों के चुनाव में कांग्रेस को बढ़त मिली है जिससे मोदी चिंतित हैं। खरगे के दामाद राधाकृष्णा डोड्डामणि कलबुर्गी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं जहां पर सात मई को मतदान होगा और गुरमिटकल इस निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है।

उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि इस देश में मोदी के जन्म से पहले और बाद में क्या था, लेकिन वह अभी तक जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लालबहादुर शास्त्री, राजीव गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मुझे गाली देते हैं क्योंकि उनके पास श्रेय के लिए कुछ भी नहीं है।'' कांग्रेस के 81 वर्षीय नेता ने कहा, ''मोदी हताशा में कहते हैं कि कांग्रेस हर किसी की संपत्ति छीनकर उसे मुसलमानों के बीच बांट देगी। यह न तो संविधान में लिखा है और न ही हमारे घोषणापत्र में इसका कहीं उल्लेख है।''

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने केवल यह कहा है कि वह गरीबों को उनका वाजिब हक देगी लेकिन कभी भी हिंदू-मुस्लिम के बारे में बात नहीं की। खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान भूमि सुधार, बैंकों के राष्ट्रीयकरण और जीवन बीमा निगम के माध्यम से ऐसा किया था। यह गरीबों के लिए किया गया था।

उन्होंने सवाल किया, ''पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान)मनरेगा लेकर आईं। मोदी ने ऐसा कुछ किया?'' खरगे ने कहा कि कांग्रेस खाद्य सुरक्षा अधिनियम लेकर आई और गरीबों को हर महीने 35 किलोग्राम अनाज दिया, लेकिन मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान पांच किलोग्राम अतिरिक्त अनाज दिया और शेखी बघार रहे हैं कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को अनाज दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आप (मोदी) दे रहे हैं क्योंकि हम कानून लेकर आए हैं जिसे कोई छीन नहीं सकता। यह काम है जो हमने किया है।'' उन्होंने कहा, मोदी कहते हैं कि वह देश को मजबूत कर रहे हैं। क्या हम इसे कमजोर कर रहे हैं?यह हम थे जिसने पाकिस्तान के दो टुकड़े किये। आपने क्या किया? मोदी बात बहुत करते हैं। वह कहते हैं कि उनका 56 इंच का सीना है। इस 56 इंच के सीने का हम क्या करें? आप बताएं कि पेट के लिए क्या करें? आप हमें भोजन के लिए क्या दे रहे हैं?'' उन्होंने कहा, ''आज महंगाई ऐसा मुद्दा है जो गरीबों को चिंतित करता है।

मानवीय मूल्यों का समावेश करते हुए तकनीकी शिक्षा का विकास हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों को जोड़ते हुए पारंपरिक भारतीय ज्ञान के आलोक में शोध की मौलिक संस्कृति को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों तकनीकी शिक्षा के जरिए देश के संसाधनों से स्थानीय उत्पादों के निर्माण की संस्कृति निर्माण किए जाने का भी आह्वान किया है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में निहित अद्वितीय क्षमताओं को पहचानते हुए उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करना है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी मानव कल्याण के उद्देश्य के साथ युगानुकूल हो। राज्यपाल ने चिंता जताते हुए कहा कि आज भी हमारे यहां वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्सकीय शिक्षा अंग्रेजी में ही दी जाती है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन की पहल की गई है। इसका उद्देश्य अंग्रेजी के साथ दूसरी भाषाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्सकीय शिक्षा के पाठ्यक्रमों को सुलभ करवाना है।

राज्यपाल ने कहा कि बीकानेर में प्रौद्योगिकी विकास का भी अहम इतिहास रहा है, यहां के दूरदर्शी महाराजा गंगा सिंह ने वर्ष 1926 में रेल संसाधन बढ़ाने और उन्नत सिंचाई के लिए गंगनहर लाने जैसे ऐतिहासिक कार्य किए।

उन्होंने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर नए शोध संदर्भों में नए आयाम स्थापित करेगा। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करें, जिसमें हमारे प्राचीन ज्ञान के संदर्भों के साथ आधुनिक वैश्विक ज्ञान का समन्वय हो।

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में से 11 बालिकाएं हैं। यह संख्या इस बात की द्योतक है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं अपने भविष्य के साथ राष्ट्र के भविष्य को भी सुदृढ़ बना सकती हैं।

आरंभ में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 बीआर्क, बी डिजाइन, बीटेक, एमटेक, एमबीए, एमसीए पाठ्यक्रम सहित कुल 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

जयपुर हवाई अड्डे के अधिकारियों को बम विस्फोट की धमकी वाला ईमेल मिला

जयपुर। जयपुर हवाई अड्डे के अधिकारियों को बम विस्फोट की धमकी वाला एक ईमेल मिला है। बम की धमकी के बाद पुलिस और सीआईएसएफ द्वारा जयपुर हवाई अड्डे की गहन जांच की गई। पुलिस ने बताया कि चार दिनों के भीतर यह दूसरी धमकी है। हवाई अड्डा पुलिस थानाधिकारी मोती लाल ने कहा कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आज हवाई अड्डे के अधिकारियों को बम विस्फोट की धमकी वाला एक ईमेल भेजा गया था। उन्होंने बताया हवाईअड्डे की गहन जांच की गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसी तरह की धमकी पिछले सप्ताह शुक्रवार को भी दी गयी थी। उन्होंने बताया कि भेजने वाले की पहचान और पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

एनईईटी अभ्यर्थी ने कोटा में की आत्महत्या, माता-पिता ने जताई हत्या की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा के कुन्हारी इलाके में राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) की तैयारी कर रहे 20 वर्षीय अभ्यार्थी ने अपने छात्रावास के कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक के माता-पिता को संदेह है कि उसकी हत्या की गयी है। पुलिस के अनुसार, कोटा में इस साल अब तक एनईईटी या जेईई अभ्यर्थी द्वारा संदिग्ध आत्महत्या करने का यह सातवां मामला है।

पुलिस ने बताया कि मृतक सुमित पांचाल हरियाणा के रोहतक का रहने वाला था, और एक साल से अधिक समय से यहां एक कोचिंग संस्थान में एनईईटी की तैयारी कर रहा था। उसके माता-पिता ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस मामले की जांच कर रहे सहायक उपनिरीक्षक कप्तान ने कहा कि मृतक के माता-पिता की मांग पर शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

एएसआई ने बताया कि छात्रावास के कर्मचारियों द्वारा उसके शव को देखे जाने से लगभग नौ घंटे पहले उसने कथित तौर पर फांसी लगा कर आत्महत्या की थी। उन्होंने बताया कि पंचाल का शव रविवार रात कुन्हारी पुलिस थाना क्षेत्र के लैंडमार्क सिटी में स्थित छात्रावास में उसके कमरे के छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया था। पुलिस ने कहा कि उसके माता-पिता को संदेह था कि पांचाल की हत्या की गई है। उनका कहना था कि उसकी गर्दन पर रस्सी से लगी चोट गहरी थी क्योंकि फांसी लगाने से ऐसी चोट नहीं लगती है। उन्होंने बताया कि मामले की प्रारंभिक जांच के लिए धारा 174 के तहत अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

कुन्हारी पुलिस थाने के एक पुलिस अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि मृतक के कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है और आत्महत्या करने के कारण का भी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि पांचाल को अगले महीने एनईईटी की परीक्षा देनी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसने कथित तौर पर रविवार दोपहर को किसी समय फांसी लगा ली, लेकिन यह मामला तब सामने आया जब वार्डन ने रात करीब साढ़े नौ बजे कमरे में उसके शव को देखा था। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इस बारे में सूचना दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। शव लेने के लिए सोमवार सुबह कोटा पहुंचे मृतक के पिता, चाचा और दादा ने कोई गड़बड़ी होने का संदेह जताया और दावा किया कि उनके भतीजे ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। सुमित के चाचा सुरेंद्र पांचाल ने शवगृह के बाहर पीटीआई-भाषा से बात करते हुए कहा, सुमित पढ़ाई में अच्छा था और वह हमेशा कहता था कि उसे शीर्ष दस में रैंक हासिल होगी। वह आत्महत्या नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि उसकी गर्दन में घाव इतना गहरा है कि यह फांसी लगाने से नहीं हो सकता। उन्होंने शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की है।

पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे दो हिस्ट्रीशीटर समेत पांच बदमाशों को पकड़ा

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे दो हिस्ट्रीशीटर समेत पांच बदमाशों को पकड़ा है। इनके कब्जे से एक अवैध पिस्टल, दो कारतूस और एक कार जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, चुरु जिले में सरदारशहर थाना पुलिस की टीम ने रीको इलाके में सुनसान जगह से इन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

चूरू के पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि संगठित अपराधों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन शिकंजा' के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने बदमाशों के डकैती की योजना बनाये जाने की आसूचना मिलने पर रीको एरिया से पांच आरोपी हनुमान नाथ उर्फ गोपीनाथ (23), फारूक उर्फ मिठिया (24), धर्मेंद्र जाट (31), विकास जाट (22) तथा महेश कुमार (29) को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, आरोपियों के पास से अवैध हथियार, लाठियां, लाल मिर्च पाउडर व एक कार जब्त की गई।

यादव ने एक बयान में बताया कि गिरफ्तार बदमाशों ने अपना गिरोह बनाया है।

अंतरराज्यीय मदाक पदार्थ रैकेट के मामले में राजस्थान से छह और लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े होने के सिलसिले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 45 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया है। अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि इसी के साथ उन्होंने सिरोही जिले में मादक पदार्थ बनाने वाले चौथे अड्डे का भंडाफोड़ किया है।

एनसीबी के उप महानिदेशक (अभियान) ज्ञानेश्वर सिंह के मुताबिक, एनसीबी और एटीएस ने लगभग तीन महीने की गहन जांच के बाद 27 अप्रैल को राजस्थान और गुजरात में मादक पदार्थ बनाने वाले तीन अड्डों का भंडाफोड़ किया था और वहां से 300 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया था। साथ ही उन्होंने सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

अधिकारी ने बताया कि राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल, जोधपुर जिले के ओसियां और गुजरात के गांधीनगर में स्थित इन तीन अड्डों से कुल 149 किलोग्राम मेफेड्रोन (पाउडर और तरल दोनों रूप में), 50 किलोग्राम एफेड्रिन और 200 लीटर एसिटोन बरामद किया गया था।

उन्होंने बताया कि रविवार को मादक पदार्थ के राजस्थान से संचालित गिरोह के सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये लोग मेफेड्रोन बनाने के लिए गुजरात में आपूर्तिकर्ताओं से कच्चे माल की खरीद में शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि आरोपी अपने अड्डे में इन मादक पदार्थों को तैयार करते थे और इस पूरे माल की महज एक महीने में तस्करी कर देते थे। इसके लिए उन्होंने आधार सामग्री के रूप में नेल पॉलिश या पेंट रिमूवर का उपयोग किया, जिसका मानव शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

संयुक्त निदेशक (एनसीबी) घनश्याम सोनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि सिरोही स्थित मादक पदार्थ के अड्डे से 45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ बरामद हुआ है। सोनी ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम जोधपुर के ओसियां से बरामद किए गए नशीले पदार्थ की जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस जांच के पूरा होने के बाद इसकी कीमत की जानकारी मिल पाएगी।

अधिकारी ने बताया कि रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सरगना कुलदीप सिंह राजपुरोहित और उसके साथियों राजाराम मेघवाल, बजरंग लाल बिश्नोई, दीपक सोलंकी, शिव रतन अग्रवाल और रामप्रताप के रूप में हुई है। जोधपुर (ग्रामीण) के अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने कहा कि टीम रामप्रताप के सहयोगी जगदीश बिश्नोई को भी पकड़ने की कोशिश कर रही है।

कई इलाकों में मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश

जयपुर। नए पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते राजस्थान के अनेक इलाकों में बीते चौबीस घंटे में मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंटे में बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में मेघ गर्जन के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश लूणकरणसर में दर्ज की गई जो चार मिलीमीटर मापी गई। इसके अनुसार बीकानेर संभाग में सोमवार को भी कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। शेष अधिकतर भागों में आगामी तीन-चार दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की प्रबल संभावना है।

वहीं अगले 48 घंटे में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है। मौसम केंद्र ने बताया कि एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से चार मई को पश्चिमी व उत्तरी राजस्थान में कहीं-कहीं बादल गरजने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

एकल पट्टा मामला : धारीवाल समेत अन्य अफसरों को क्लीनचिट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीजेपी की भजनलाल सरकार ने राज्य के बहुचर्चित एकल पटटा मामले में पूर्व मंत्री शांतिलाल धारीवाल समेत अन्य अधिकारियों को क्लीनचिट दे दी है। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिए अपने जवाब में कहा- एकल पटटे का कोई मामला ही नहीं बनता है। इसमें नियमों की पूरी तरह से पालना की गई है और राज्य सकरार को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है। दरअसल यह मामला दस साल पहले वसुंधरा राजे सरकार के समय सामने आया था।

इस मामले के मुताबिक 29 जून 2011 को जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने गणपति कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर शैलेंद्र गर्ग के नाम एकल पट्टा जारी किया था। परिवादी रामशरण सिंह ने 2013 में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में इस मामले की शिकायत की थी। शिकायत के बाद एसीबी ने अनुसंधान कर तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, डिप्टी सचिव निष्काम दिवाकर, जोन उपायुक्त ओंकारमल सैनी, शैलेंद्र गर्ग और दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की और इनके खिलाफ चालान पेश किया था। मामला बढ़ने और राजनीतिक मुद्दा बनने पर विभाग ने 25 मई 2013 को एकल पट्टा निरस्त कर दिया था।

अनुसंधान के दौरान इस मामले में एसीबी ने पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। अब भजनलाल सरकार ने इस मामले को क्लीन चिट दे दी है। खास बात यह है कि सरकार ने एसएलपी में चुनावों के बीच 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में जवाब पेश किया है। प्रदेश में की गहलोत सरकार भी इस मामले में सभी को क्लीनचिट दे चुकी है। एसीबी की दो क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर 18 अप्रैल 2022 को कुछ बिंदुओं पर डीआईजी स्तर के अधिकारी से जांच कराने के निर्देश दिए थे। उसके बाद एसीबी की ओर से 19 जुलाई 2022 को तीसरी क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई थी। इसमें भी एसीबी ने एकल पट्टा प्रकरण में किसी भी तरह अनियमिताएं नहीं पाई थीं।

इस पर एसीबी ने कोर्ट से इन आरोपियों के खिलाफ दायर चार्जशीट को वापस लेने की एप्लिकेशन लगाई थी। इसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसकी अपील पर 17 जनवरी 2023 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के संधू, दिवाकर और सैनी के खिलाफ केस वापस लेने को सही माना था। इस दौरान मामले में परिवादी रामशरण सिंह की मृत्यु के बाद उनके बेटे सुरेंद्र सिंह ने भी केस वापस लेने की सहमति दी थी।

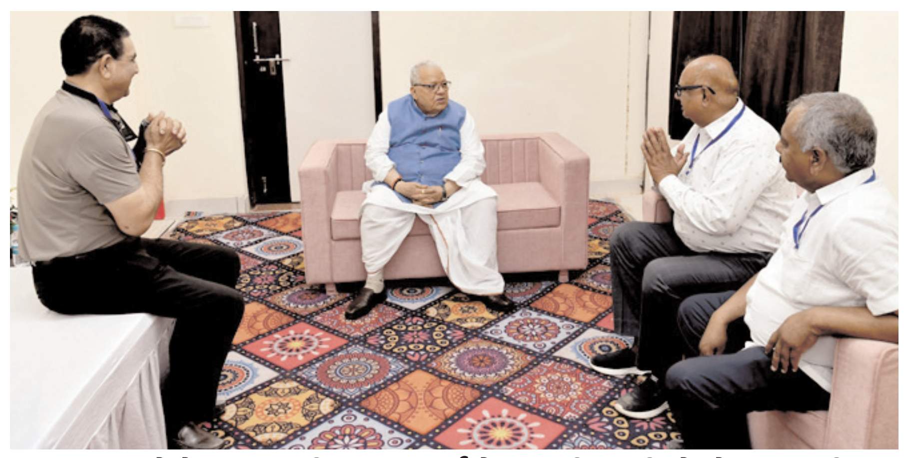

राज्यपाल ने रेड क्रॉस जिला इकाई के पदाधिकारियो से संवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को बीकानेर में रेड क्रॉस जिला इकाई के पदाधिकारियो से संवाद कर उन्हें रेड क्रॉस से संबंधित आमजन को लाभान्वित किए जाने वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने जिला इकाई के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने रक्तदान, आम जन चिकित्सा सहायता आदि के लिए भी निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

रेडक्रॉस के विजय खत्री और राजेंद्र जोशी ने उन्हें रेडक्रॉस के कार्यों के बारे में जानकारी दी।

एबीवीपी ने कुलपति सचिवालय का किया घेराव

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एबीवीपी की ओर से विभिन्न मांगों के समर्थन तथा डोनेशन की अनियमितता के विरोध में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में कुलपति सचिवालय का घेराव किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं कार्यकर्ताओं में तीखी नोकझोंक हुई। एबीवीपी पदाधिकारी एवं छात्रनेता आसुराम डुकिया तथा कुलपति प्रो अनिल शुक्ला में जमकर बहस हुई। विरोध कर रहे एबीवीपी पदाधिकारी, कुलपति कक्ष में आधे घंटे धरने पर बैठे रहे। छात्र नेताओं की मांग है कि बीएड कॉलेजों में डोनेशन के नाम पर अवैध वसूली का खेल बंद हो। महाराणा प्रताप सभागार के यहाँ सैकडों छात्रों ने धरना-प्रदर्शन किया। क़रीब-करीब घंटे तक नारेबाजी की गयी। बीएड कॉलेज में अवैध रुप से डोनेशन पैसे वसूले जाने के विरोध में कुलपति सचिवालय का घेराव किया। एबीवीपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डुकिया ने बताया कि एमडीएस के अन्तर्गत आने वाले बी.एड. कॉलेज में उपस्थिति के नाम पर 20-20 हजार रुपये ऐंठते हैं, और साल भर छात्रों को कुछ नहीं पढ़ाया जाता है, क्योंकि इन कॉलेजों में न तो शिक्षक है, न ही कॉलेज नियमानुसार सुविधा है। एक-दो कॉलेज तो ऐसे हैं, जहां बिल्डिंग भी नहीं है। विद्यार्थी द्वारा शिकायत करने पर साल खराब करने कि धमकी भी देते हैं। एबीवीपी को ऐसे मामले में नागौर के कई और अजमेर शहर के कई कोलेजों की शिकायतें मिली है। एबीवीपी से जुड़े विश्वविद्यालय अध्यक्ष महिपाल का कहना है, कि नियम विरुद्ध चलने वाली सभी बीएड और स्पेशल बीएड कॉलेज की जाँच कर मान्यता रद्द करे।

स्ट्रेटेजिक-क्रिटिकल मिनरल्स एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की बढ़ेगी भागीदारी

राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल और अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुये केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों और उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिये प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्ट्रेटेजिक और क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के लिये निजी क्षेत्र की भी सक्रिय भागीदारी बढ़ायी जायेगी। केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक प्रावधान संभावित है। इसी को ध्यान में रखते हुये नये प्रावधानों के बाद प्रदेश के दो आरईई और एक पोटाश के ब्लॉकों के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिये नये सिरे से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जायेगी। राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल और अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुये केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों और उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिये प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है। इससे इस तरह के मिनरल्स के खोज कार्य में सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्र के प्लेयर आगे आयेंगे और सरकार द्वारा प्रोत्साहन सहयोग से एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता भी आयेगी।देश में रेयर अर्थ एलिमेंट, पोटाश, लिथियम, टंगस्टन, केडमियम, कोबाल्ट, कॉपर, ग्रेफाइट, टिटेनियम, बेरेलियम, सिल्वर, जिंक, गोल्ड, लेड जैसे 29 तरह के क्रिटिकल, स्ट्रेटेजिक एवं अन्य मिनरल्स की देश दुनिया में काफी मांग होने के साथ ही अत्यधिक श्रमव समय साध्य होने व सरकारी प्रक्रिया की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने पहला निर्णय इन मिनरल्स के वैज्ञानिक और वैश्विक स्तरीय एक्सप्लोरेशन के लिए ईएल यानी की एक्सप्लोरेशन लाइसेंस की ई-नीलामी का निर्णय किया गया। पहले चरण में राजस्थान सहित कुछ प्रदेशों द्वारा ईएल नीलामी प्रक्रिया आरंभ की गयी। अब केन्द्र सरकार एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का निर्णय करने जा रही है। इससे ईएल के लिये निजी क्षेत्र की सहभागिता बढ़ेगी और देश में खनिजों के खोज और खनन कार्य को गति दी जा सकेगी।

माना जा रहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसआई, राज्यों के खनिज विभागों के एक्सप्लोरेशन विंग, एमईसीएल, एनसीएल, स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया और अन्य उपक्रमों राज्यों के आरएसएमईटी जैसे संस्थानों की तरह निजी क्षेत्र के खनन एक्सप्लोरेशन क्षेत्र के इच्छुक भागीदारों को एक्सप्लोरेशन कार्य में वित्तीय प्रोत्साहन देने जा रही है, इससे निजी क्षेत्र के बिडर की भागीदारी बढ़ेगी और इससे एक्सप्लोरेशन क्षेत्र में स्वस्थ्य प्रतिभागिता और प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता, समयवद्धता और एक्यूरेसी आने से क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के क्षेत्र में विश्वस्तरीय गुणवत्ता और गति आ सकेगी।

खान विभाग के निदेशक भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि केन्द्र सरकार के माइंस विभाग द्वारा शीघ्र ही किये जा रहे नये प्रावधानों के जारी होने के बाद प्रदेश की दो आरईई और एक पोटाश कुल तीन ईएल की ई नीलामी की प्रक्रिया पुनः आरंभ की जायेगी।

शाह का वीडियो एडिटिंग कर वायरल करने के मामले में दर्ज कराई गई एफआईआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो में एडिटिंग कर उसे वायरल करने के मामले में जयपुर साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश सोशल मीडिया विभाग की ओर से यह एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और सोशल मीडिया विभाग के सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने पुलिस में रिपोर्ट दी हैं।

विजयवर्गीय ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और फेसबुक पर शाह का एक वीडियो वायरल किया जा रहा है। यूजर द्वारा शाह के वीडियो को एडिटिंग कर एक जाति समुदाय को उकसाने का प्रयास किया जा रहा है।

इससे लोकसभा चुनावों के दौरान सामाजिक सोहार्द बिगड़ने की संभावनाओं के मुद्देनजर भाजपा की ओर से यूजर के खिलाफ साइबर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई है।

उन्होंने बताया कि यूजर द्वारा वीडियो में एडिटिंग कर शाह के बयान को आरक्षण समाप्त करने वाला बताते हुए इसे वायरल कर दिया जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ राजनेताओं ने आरक्षण को लेकर संविधान में किसी भी तरह का बदलाव नहीं करने का आश्वासन दिया है।

आदित्यनाथ का राहुल पर निशाना: कहा- 'एक्सीडेंटल हिंदू' मुगल सम्राटों के 'अत्याचारों' पर भी बात करें

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को 'एक्सीडेंटल हिंदू' बताने वाले नेता को देश के निर्माण में योगदान देने वाले हिंदू राजाओं और अयोध्या, काशी तथा मथुरा में मंदिरों को नष्ट करने के जिम्मेदार मुगल बादशाहों के बारे में भी बात करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए)पर कांग्रेस की आपत्ति के बारे में कहा कि यह मानवता का मुद्दा है और कांग्रेस कट्टरपंथियों के दबाव के चलते इसका विरोध कर रही है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी 'निराधार' टिप्पणियां करते हैं क्योंकि उन्हें भारतीय इतिहास और भूगोल का उचित ज्ञान नहीं है। जो लोग खुद को एक्सीडेंटल हिंदू कहते थे, अगर वे भारतीय इतिहास और संस्कृति के बारे में बात करेंगे तो यह हास्यास्पद लगेगा।

आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल को भाषण देते समय भारत के निर्माण में योगदान देने वाले चंद्रगुप्त मौर्य, महान अशोक, महाराजा भोज, पृथ्वीराज चौहान, छत्रपति शिवाजी और झांसी की रानी जैसे महान हिंदू शासकों पर भी कुछ टिप्पणियां करनी चाहिए। आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस नेता को मध्यकाल में मुगल सम्राटों द्वारा किए गए 'अत्याचार' याद नहीं हैं। उन्हें (राहुल को) यह बात करनी चाहिए थी कि अयोध्या, काशी और मथुरा में मंदिरों को नष्ट करने के लिए कौन जिम्मेदार था। उन्होंने कहा कि राहुल को अतीत में नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों में विनाश के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का भी संदर्भ देना चाहिए।

यूसीसी से हिंदुओं को किसी भी तरह फायदा नहीं होगा : ममता

जांगीपुर/भगवानगोला (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि भाजपा चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को एक राजनीतिक चाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है तथा इससे हिंदुओं को कोई फायदा नहीं होगा। मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद और जंगीपुर निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव के शुरुआती चरणों में हार का एहसास होने के बाद विभाजनकारी रणनीति का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा, जब भी चुनाव होते हैं, वे सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए किसी न किसी मुद्दे का इस्तेमाल करते हैं। इस बार वे यूसीसी के बारे में बात कर रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं कि यह एक विशेष समुदाय के खिलाफ है। लेकिन यह यूसीसी राजनीतिक बयानबाजी के अलावा कुछ नहीं है तथा इससे हिंदुओं को किसी भी तरह से फायदा नहीं होगा।

उच्चतम न्यायालय ने स्कूल भर्ती घोटाले में बंगाल के अधिकारियों की भूमिका की सीबीआई जांच पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शिक्षक भर्ती मामले में पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों की भूमिका की सीबीआई जांच का निर्देश देने संबंधी कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी। शीर्ष अदालत राज्य संचालित और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा की गई 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को रद्द करने वाले उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर छह मई को सुनवाई करेगी। पीठ ने कहा, हम उस निर्देश पर रोक लगाएंगे जिसमें कहा गया है कि सीबीआई राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ आगे की जांच करेगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा था कि सीबीआई अवैध नियुक्तियों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त पद के सृजन को मंजूरी देने में शामिल राज्य सरकार के अधिकारियों की भूमिका के संबंध में आगे की जांच करेगी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि आवश्यक हुआ तो सीबीआई इसमें शामिल ऐसे लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करेगी।

लोकसभा चुनाव : राजनाथ सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लखनऊ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य मुख्यालय से प्रमुख नेताओं और समर्थकों के साथ करीब दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया गया।

निर्वाचन अधिकारी के समक्ष सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय से निकले जुलूस में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा हाथ में पार्टी का चिन्ह 'कमल का फूल' लेकर राजनाथ सिंह और राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी एक खुले वाहन पर सवार थे।

पर्चा दाखिल करने से पहले उन्होंने लखनऊ के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर और हनुमान सेतु मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

पूरे रास्ते भर उत्साही पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने नारे लगाते हुए, फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर और ढोल बजाते हुए अपना उत्साह जाहिर किया।

पार्टी ने पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक जाने वाली सड़क को झंडों, बैनरों और झालरों से सजा कर विस्तृत व्यवस्था की थी, जिससे सिंह के निर्वाचन क्षेत्र को उत्सव जैसा माहौल मिल गया।

राहुल-अखिलेश विदेश में पढ़कर आए, इसलिए दोनों को देश की कम समझ है : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 400 सीट मिलने पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने से जुड़े कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के दावों पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल बाबा और अखिलेश बाबा विदेशों में पढ़कर आए हैं, इसलिए दोनों को देश के बारे में कम समझ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन पत्र दाखिला करने के मौके पर यहां आए पुष्कर सिंह धामी ने 'पीटीआई-भाषा' से खास बातचीत की। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव हर सभाओं में यह दावा कर रहे हैं कि भाजपा ने 400 पार का नारा इसलिए दिया कि वह संविधान बदल सके और आरक्षण समाप्त कर सके, इसके जवाब में धामी ने कहा, मोदी जी और भाजपा कभी आरक्षण के विरोध में नहीं रहे। मोदी जी आरक्षण के बहुत बड़े पक्षधर रहे हैं। यह जरूर है कि राहुल बाबा और अखिलेश बाबा विदेशों में पढ़कर आए हैं इसलिए दोनों को देश की समझ कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण का पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों के लिए जो प्रावधान संविधान में किया गया है, उस आरक्षण को ये (विपक्षी दल) लोग बांटना चाहते हैं।

ओडिशा सरकार ने केंद्र से 1.56 करोड़ मच्छरदानी मुहैया करने का आग्रह किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने राज्य में मलेरिया के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार से 1.56 करोड़ मच्छरदानी मुहैया करने का आग्रह किया है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निरंजन पुजारी ने सोमवार को इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखा।

पुजारी ने कहा है कि मलेरिया संक्रमण को प्रभावी तरीके से फैलने से रोकने के लिए केंद्र ने 2020-21 में ओडिशा को 1.56 करोड़ मच्छरदानी उपलब्ध कराया था। उन्होंने कहा कि 2023 में ही ये मच्छरदानी बदले जाने थे, जिसमें एक साल की देरी हो गई है और इसके चलते राज्य में मलेरिया के मामलों में वृद्धि होने की आशंका है। पुजारी ने मलेरिया के मामलों को और बढ़ने से रोकने के लिए मच्छरदानी की तत्काल आपूर्ति करने का केंद्र से आग्रह किया। 'राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम' (एनसीवीबीडीसी) के अनुसार, ओडिशा में 2023 में मलेरिया के 41,971 मामले सामने आए थे, जो सभी राज्यों की तुलना में सबसे अधिक थे।

ओडिशा के बाद छत्तीसगढ़ में 31,713, झारखंड में 31,140, पश्चिम बंगाल में 26,493, त्रिपुरा में 22,412, मिजोरम में 17,991, महाराष्ट्र में 16,164 और उत्तर प्रदेश में 13,585 मामले सामने आए थे।

आरएसएस दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार, वोट के लिए आरक्षण पर इसके सुर बदले : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एटा (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कटाक्ष करते हुए उसे 'दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार' करार दिया और कहा कि आरक्षण खत्म करने का मंसूबा रखने वाला यह परिवार अब चुनाव में वोट के लिए आरक्षण नहीं समाप्त करने की बात कर रहा है।

यादव ने एटा में आयोजित एक चुनावी जनसभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक 'बड़ी साजिश' के तहत हर क्षेत्र को निजी हाथों में बेचकर आरक्षण को खत्म करना चाहती है मगर समाजवादी लोग उसे कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने संघ परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा, इन्हें (भाजपा को) हमारे-आपके परिवार की तो चिंता है लेकिन उनके साथ दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार है जो आरक्षण खत्म करना चाहता था। अब वोट चाहिए, तो कह रहे हैं कि आरक्षण खत्म नहीं होगा।

माना जा रहा है कि सपा अध्यक्ष का इशारा संघ प्रमुख मोहन भागवत के रविवार के उस बयान की तरफ था जिसमें उन्होंने कहा था कि संघ ने हमेशा संविधान के अनुसार आरक्षण का समर्थन किया है और संगठन 'भेदभाव' व्याप्त रहने तक आरक्षण लागू रखने की वकालत करता है। यादव ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि अगर भारत सरकार की बड़ी-बड़ी कंपनियां निजी हाथों में बिक जाएंगी तो आरक्षण कहां मिलेगा? इस सरकार ने हवाई जहाज और हवाई अड्डे बेच दिए, जिनमें लाखों लोगों को नौकरी मिलती थी... बताओ क्या वहां आरक्षण लागू होगा? अगर रेल बिक जाएगी तो क्या वहां आरक्षण होगा? अस्पताल में जो 'आउटसोर्स' पर नौकरी दी जा रही है, क्या उसमें आरक्षण होगा? संविदा पर दी जाने वाली नौकरी में क्या आरक्षण होगा?'' अखिलेश ने कहा कि वे न केवल नौकरी खत्म करना चाहते हैं बल्कि आरक्षण भी खत्म करना चाहते हैं। यह उनकी बड़ी साजिश है, लेकिन हम समाजवादी लोग उन्हें कामयाब नहीं होने देंगे।

अमेठी, रायबरेली से उम्मीदवारों पर फैसले के लिए खरगे को अधिकृत किया गया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट से गांधी परिवार के सदस्यों के चुनाव लड़ने को लेकर जारी अटकलों के बीच सोमवार को कहा कि उम्मीदवारों के बारे में फैसला करने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अधिकृत किया गया है।

पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इस बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, वहां कांग्रेस अध्यक्ष को यह निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है कि उम्मीदवार कौन हो। चुनाव छिपकर तो नहीं लड़ा जाता। चुनाव को पूरे गाजे-बाजे के साथ लड़ा जाएगा। जैसे ही उम्मीदवार पर फैसला होगा, उस बारे में आपको बता दिया जाएगा। गत शनिवार को हुई कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट को लेकर कोई निर्णय नहीं हो सका और फैसला पार्टी नेतृत्व पर छोड़ दिया गया था।

लोकसभा चुनाव : स्मृति ईरानी ने अमेठी से दाखिल किया नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने सोमवार को अमेठी लोकसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। ईरानी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और अन्य नेताओं के साथ, पर्चा दाखिल करने से पहले गौरीगंज में भाजपा कार्यालय से एक रोड शो किया।

जिलाधिकारी के आदेश पर रोड शो को कलेक्ट्रेट से करीब 200 मीटर पहले ही रोक दिया गया, जहां से ईरानी पर्चा दाखिल करने गईं। रोड शो में उत्तर प्रदेश के मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और ईरानी के पति जुबिन ईरानी भी शामिल हुए। स्मृति ईरानी ने पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराकर गांधी परिवार और कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली अमेठी सीट जीती थी। कांग्रेस ने अभी तक इस सीट से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। हालांकि यहां पार्टीजनों का मानना है कि राहुल गांधी फिर से इस सीट से चुनाव लड़ेंगे। अमेठी में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है।

'सियासी अस्पृश्यता और असहिष्णुता' की सर्वाधिक शिकार भाजपा रही है : नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्रता के बाद से ''सामंती सुल्तानों की सियासी अस्पृश्यता और असहिष्णुता की सर्वाधिक शिकार भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहे हैं।

नकवी ने यहां आज 'भारतीय बौद्ध संघ' के सामाजिक समरसता सम्मेलन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि विपक्षी दलों की कोशिश विफल साबित होगी। उन्होंने दावा किया कि ''डायनेस्टी की डेपुटेशन (वंशवाद की तदर्थ)'' सरकार की नाकामियों, लकवाग्रस्त व्यवस्था, संवैधानिक मूल्यों के सामन्ती अपहरण और 'कट-कमीशन-करप्शन-कम्यूनलिज्म

(हिस्सेदारी, दलाली, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता)' के युग को देश आज भी नहीं भूल पाया है।

नकवी का कहना था कि स्वतंत्रता के बाद से ''सामंती सुल्तानों की सियासी अस्पृश्यता और असहिष्णुता की सर्वाधिक शिकार भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'करप्शन की विरासत' और 'कम्युनल सियासत' को ध्वस्त कर नरेन्द्र मोदी सुशासन, समावेशी विकास और स्थायित्व के जांचे, परखे, खरे, जननायक साबित हुए हैं। ऐसे जननायक के सुशासन संकल्प को सामन्ती सनक-साज़िश से कमजोर नहीं किया जा सकता।

थॉमस कप : इंग्लैंड को 5-0 से हराकर भारत क्वार्टर फाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेंगडू (चीन)/भाषा। गत चैम्पियन भारत ने इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने पहले मैच में थाईलैंड को 4-1 से हराया था।

एच एच प्रणय ने हैरी हुआंग को 21-15, 21-15 से हराकर भारत को बढत दिलाई। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बेन लेन और सीन वेंडी को युगल मुकाबले में 21-17, 19-21, 21-15 से हराया।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराकर भारत को 3-0 से बढत दिला दी। दूसरी युगल टीम एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराया।

आखिरी मैच में किरण जॉर्ज ने चोलान कायान को 21-18, 21-12 से मात दी। भारत का सामना आखिरी ग्रुप मैच में 14 बार के चैम्पियन इंडोनेशिया से होगा।

भाजपा और आरएसएस संविधान को बदलना और नष्ट करना चाहते हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे संविधान को बदलना और नष्ट करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के सकरी गांव में एक रैली को संबोधित करने के दौरान गांधी ने 'संविधान' को हाथ में लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी क्या दुनिया की कोई भी ताकत इसे न तो रद्द कर सकती है और न ही इसे फाड़ सकती है। यह रैली बिलासपुर लोस सीट से पार्टी प्रत्याशी देवेन्द्र यादव के पक्ष में आयोजित की गई थी।

गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी, इंडिया गठबंधन और दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं। उन्होंने संविधान की पुस्तक को दिखाते हुए कहा, यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है, संविधान को प्रधानमंत्री जी, भाजपा के नेता और आरएसएस के लोग बदलना और खत्म करना चाहते हैं। एक तरफ वह संविधान को खत्म करने में लगे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी इसे बचाने की कोशिश कर रही है।

गांधी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक पुस्तक नहीं है, बल्कि यह इस देश में गरीबों को अधिकार देता है, उनकी रक्षा करता है और उनके भविष्य की देखभाल करता है, लेकिन भाजपा चाहती है कि इसे फाड़ कर फेंक दिया जाए। कांग्रेस नेता ने इस दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा के नेता कहते हैं कि संविधान को खत्म कर देंगे। आरक्षण को खत्म कर देंगे।

इस संविधान से आरक्षण निकला, वोट निकला, पब्लिक सेक्टर निकला। आपका जो हक है वह सब संविधान की देन है। यदि यह चला गया तब आदिवासी भाइयों का जल, जंगल, जमीन और जीने का तरीका चला जाएगा। गांधी ने कहा, वो (भाजपा) कहते हैं कि हम आरक्षण के खिलाफ नहीं है। लेकिन जब वो किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का निजीकरण करते हैं तब आरक्षण खत्म करते हैं।

गांडेय विधानसभा सीट से झामुमो उम्मीदवार के रूप में हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने राज्य की गांडेय विधानसभा सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रत्याशी के रूप में सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। गांडेय विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव 20 मई को राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ होगा।

गिरिडीह जिले की यह विधानसभा सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हो गई थी। कल्पना (48) जब नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचीं तो राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, उनके देवर बसंत सोरेन और राज्य सरकार के

मंत्री आलमगीर आलम तथा सत्यानंद भोकता उनके साथ थे। एमटेक और एमबीए की डिग्री रखने वाली कल्पना ने ओडिशा के मयूरभंज जिले में बारिपदा से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की थी। उन्होंने इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री भुवनेश्वर के अलग-अलग संस्थानों से ली। कल्पना की राजनीतिक यात्रा चार मार्च को गिरिडीह जिले में झामुमो के 51वें स्थापना दिवस समारोह में शुरू हुई थी, जब उन्होंने दावा किया था कि 2019 में राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से ही विपक्षी साजिश रच रहे हैं और झारखंड राज्य उनके पति को सलाखों के पीछे डालने वालों को सटीक जवाब देगा।

सुविचार

जिसके पास अपनी ज़रूरत से ज़्यादा हो वो उसका नसीब कहलाता है, जिसके पास सब कुछ है फिर भी दुखी रहता है वो बदनसीब कहलाता है, और जिसके पास कम है फिर भी बहुत सुखी रहता है वो खुशनसीब कहलाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बंद हो शारीरिक दंड

मद्रास उच्च न्यायालय का तमिलनाडु सरकार को स्कूलों में शारीरिक दंड को समाप्त करने के लिए 'एनसीपीसीआर' के दिशा-निर्देश (जीईसीपी) लागू करने संबंधी आदेश देना अत्यंत प्रासंगिक है। बेशक स्कूलों में बच्चों को अनुशासन सिखाना चाहिए, उन्हें अच्छा नागरिक बनने की सीख देनी चाहिए, लेकिन इन सबमें मारपीट के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। बच्चे को मार-मार कर पढ़ाना उचित तरीका नहीं है। यह भी एक भ्रम है कि बच्चे पिटाई के डर से खूब पढ़ते हैं। विभिन्न अनुभवों से पता चलता है कि बच्चे पिटाई के डर से किताब लेकर तो बैठ जाते हैं, लेकिन उनके दिलो-दिमाग पर डर छाया रहता है। इससे वे अपनी क्षमता का सही तरह से उपयोग नहीं कर पाते। बच्चे को डंडे के जोर से न्यूटन, आइंस्टीन नहीं बनाया जा सकता। हर विद्यार्थी में कोई खूबी होती है। एक कुशल शिक्षक उसे पहचान लेता है और विभिन्न विधियों से विद्यार्थी को प्रोत्साहित करता है। सोशल मीडिया पर आए दिन ऐसी पोस्ट वायरल होती रहती हैं, जिनमें दावा किया जाता है कि किसी स्कूल में शिक्षक ने विद्यार्थी को बुरी तरह पीट दिया। कई बार ऐसी मारपीट के गंभीर परिणाम निकलते हैं। ऐसे मामलों में या तो बच्चा बुरी तरह घायल हो जाता है या उसकी मौत हो जाती है। उस स्थिति में शिक्षक की नौकरी और प्रतिष्ठा तो जाती ही हैं, जेल जाने की नौबत भी आ जाती है। ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। यह भी बहुत बड़ी ग़लत-फ़हमी है कि जो शिक्षक सबसे ज्यादा पिटाई करते हैं, उनके विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में ज्यादा रुचि लेते हैं और उनका परिणाम बेहतर आता है। राजस्थान में झुंझनूं जिले के एक सरकारी स्कूल में विज्ञान के शिक्षक अपने विषय के बड़े विद्वान थे। हालांकि वे अपनी विद्वता से ज्यादा बच्चों की पिटाई के जाने जाते थे। उनके कक्षा में कदम रखते ही दहशत छा जाती थी। कई छात्र तो पहले ही गायब हो जाते थे। जिस दिन गृहकार्य की जांच या प्रश्न पूछने की बारी आती, अनुपस्थित छात्रों की संख्या और बढ़ जाती। दूसरे दिन वे शिक्षक महोदय ऐसे छात्रों को पीट-पीटकर अधमरा कर देते थे।

चूंकि उस ज़माने में सोशल मीडिया नहीं था। अख़बारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए मारपीट के किस्से स्कूल तक ही सीमित रहते थे। उनके खिलाफ एक बार बगावत भी हुई, लेकिन अगले दिन प्रार्थना-सभा में जोरदार पिटाई कर उसे दबा दिया गया। एक दिन उन्होंने दसवीं कक्षा के छात्र की पिटाई करते हुए ऐसी जगह मुक्का मारा, जिससे वह लड़का बुरी तरह तड़प उठा। उसे आनन-फानन में नजदीक ही एक क्लिनिक ले जाया गया। यह सिलसिला लगभग तीन वर्षों तक जारी रहा। जिस दिन उन शिक्षक महोदय का तबादला हुआ, छात्रों ने एक-दूसरे को बधाई दी। अगर उन तीन वर्षों की रिपोर्ट बनाई जाए तो पाएंगे कि इतनी मार-कुटाई के बावजूद बच्चों के प्रदर्शन में कोई खास सुधार नहीं आया था। बल्कि कई बच्चे पढ़ाई में पिछड़ गए और कुछ ने तो पढ़ाई छोड़ दी। विज्ञान जैसे विषय को पढ़ते समय बच्चों में जिज्ञासा पैदा होनी चाहिए थी, लेकिन उन पर डर हावी रहा। कई बच्चे, जो अपनी पूरी कोशिश के बावजूद पिटाई से नहीं बच पाते थे, बाद में यह कहकर पढ़ाई से दूर होने लगे कि पिटाई तो होनी ही है ... दो डंडे ज्यादा खा लेंगे ... इतनी मेहनत भी क्यों करें? कई स्कूलों की प्रार्थना-सभाओं में पिटाई का काफी चलन रहा है। कोई विद्यार्थी समय पर नहीं आया, किसी के बाल बड़े हैं, नाखून बड़े हैं ... तो मुर्गा बनाकर धमाधम पिटाई शुरू हो गई! जब दिन की शुरुआत ही ऐसी होगी तो बच्चा क्या पढ़ेगा? आश्चर्यजनक रूप से कई बच्चे बार-बार एक ही वजह को लेकर पिटते रहते हैं, क्योंकि शिक्षक का ध्यान पिटाई की ओर तो है, सुधार की ओर नहीं है। जो विद्यार्थी बार-बार देर से स्कूल आए, उससे इसकी वजह पूछनी चाहिए। जरूरी हो तो उसके माता-पिता को बुलाकर समाधान करना चाहिए। बड़े बाल और बड़े नाखून का होना भी कोई ऐसी समस्या नहीं है, जिसका समाधान नहीं किया जा सकता। (विशेष परिस्थितियों में) बच्चे के माता-पिता से इजाजत लेकर स्कूल में बाल-नाखून काटने-संवारने के लिए उचित कदम उठाए जा सकते हैं। जापान में शुरुआती कक्षाओं के बच्चों को स्कूलों में इसी तरह स्वच्छता का संदेश दिया जाता है। शिक्षा का उद्देश्य सर्वांगीण विकास होना चाहिए। मारपीट से किया गया 'बदलाव' स्थायी नहीं होता।

ट्वीटर टॉक

आज पूरी दुनिया हमारी विकास यात्रा में साथ चलने को तत्पर है। भारत को लेकर विश्वास और हमारी अर्थव्यवस्था पर इतना भरोसा पहले कभी नहीं रहा। तमाम कठिनाइयों के बावजूद भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

-नरेन्द्र मोदी

नवीं पातशाही धन धन श्री गुरू तेग बहादुर साहिब जी के प्रकाश पर्व पर कोटि-कोटि नमन। हिन्द की चादर श्री गुरू तेग बहादुर जी, धर्म की रक्षा और मानव कल्याण के लिए आजीवन समर्पित रहे। उनके आदर्श हमें सत्य, सेवा और न्याय के पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

-ओम बिरला

लखनऊ में लोक सभा चुनाव हेतु आज माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नामांकन किया। लखनऊ लोक सभा क्षेत्रवासी एक बार पुनः अपने प्रिय नेता आदरणीय रक्षा मंत्री जी की प्रचंड विजय सुनिश्चित करने जा रहे हैं।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

सत्संग-विवेक से दृष्टि

एक बार भगवान श्रीहरि पक्षीराज गरुड़ की जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे थे। श्रीहरि ने कहा, 'जो लोग सत्य का पालन करते हैं, झूठ नहीं बोलते, काम, ईर्ष्या और द्वेष के कारण स्वधर्म का परित्याग नहीं करते, वे सभी निश्चय ही सुखपूर्वक शरीर का त्याग करते हैं। जो असत्यवादी, झूठी गवाही देने वाले, विश्वासघाती और धर्म निंदक होते हैं, वे मूर्च्छा रूपी दुःखद मृत्यु को प्राप्त होते हैं।' श्रीहरि कर्म की व्याख्या करते हुए बताते हैं, 'जो कर्म जीवात्मा को बंधन में नहीं ले जाता, वही सत्कर्म है। जो विद्या प्राणी को मुक्ति प्रदान करने में समर्थ है, वही विद्या है।' श्रीहरि गरुड़ को बताते हैं कि सत्संग और विवेक- ये प्राणी के सार्थक दो नेत्र हैं। सत्संग और विवेक के बिना मानव अंधकार में भटकता रहता है। अंत समय के कल्याण का साधन बताते हुए भगवान कहते हैं, 'अंत समय आ जाने पर भयरहित होकर संयम रूपी शस्त्र से देहादि की आसक्ति को काट देने वाला व्यक्ति जीवन-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है।'

सामयिक

कम मतदान होने का अर्थ

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

प्रथम चरण एवं दूसरे चरण में लगातार मतदान की गिरावट देश में चिंता का विषय बनी है तो यह स्वाभाविक है। अब तक कुल 12 राज्यों केरल, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु ,उत्तराखंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम ,नगालैंड, सिक्किम तथा तीन केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का मतदान संपन्न हो चुका है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो औसत मतदान में गिरावट नहीं है। राज्यों एवं राज्यों के अंदर संसदीय क्षेत्र में भी मतदान प्रतिशत कहीं ठीक-ठाक है तो कहीं गिरा है। अगर दोनों चरणों के कुल 190 सीटों पर 2019 के मतदान प्रतिशत से तुलना करें तो यह मोटा मोटी दो प्रतिशत की गिरावट ही दिखता है। दूसरे चरण में लगभग 68.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में 70.05 प्रतिशत से ज्यादा हुआ था। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का उपयोग किया तो मणिपुर में 78.78 प्रतिशत ने। असम में 2019 में 76.45 की जगह 77.35 प्रतिशत , छत्तीसगढ़ में 75 प्रतिशत की जगह 75.16 प्रतिशत, कर्नाटक में 68.21 की जगह 68.47 प्रतिशत, केरल में लगभग 80 प्रतिशत की जगह 70.21 प्रतिशत, बिहार में करीब 60 प्रतिशत की जगह 56.81 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 67.75 प्रतिशत की जगह 58.26 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 61.93 में 59.63 प्रतिशत, प. बंगाल में 80 प्रतिशत की जगह 73.78 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 62. 39 प्रतिशत की जगह 54.8 प्रतिशत मतदान हुआ। तो मध्यप्रदेश में 9 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश में 8 प्रतिशत से ज्यादा मतदान की गिरावट असाधारण है। निश्चित रूप से इन दो चरणों ने मतदान की प्रवृत्तियों का आकलन कठिन बना दिया है। तो क्या मायने हैं मतदान प्रतिशत की इन गिरावटों का?

अभी तक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वर्तमान मतदान को देखते हुए तत्काल यह मानना होगा कि हमारे देश में 2019 ने रिकार्ड स्तर प्राप्त किया और तत्काल इससे आगे बढ़ाने की संभावना नहीं है। जब एक बार कोई भी प्रवृत्ति ऊंचाई छूती ती है तो उसके बाद उसे नीचे आना ही पड़ता है। हालांकि राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा और जन जागरूकता को देखते हुए मतदान प्रतिशत में निस्संदेह वृद्धि होनी चाहिए थी। नहीं हुआ तो यह सभी राजनीतिक दलों, मीडिया के साथ सक्रिय नागरिकों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए और आगे के दौर में सभी कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा लोग निकल कर मतदान करें, किंतु राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखकर ज्यादा निराश होने का कोई कारण नहीं हो सकता ।गालैंड में इसलिए मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा क्योंकि छह जिलों में ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स फ्रंट (ईएनपीओ) ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। इन छह जिलों के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चार लाख से अधिक मतदाता हैं। जब इतनी संख्या में मतदाता मत डालेंगे नहीं तो उसे गिरना ही है। इसे मतदान की प्रवृत्ति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्रायः ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस आई हैं और घटने के बावजूद गई है। पिछले 1 प्रतिशत लोकसभा चुनावों के मतदान प्रवृत्ति का आकलन करें तो 5 बार मतदान घटा है और 4 बार सरकार बदल गई और 7 बार मतदान बढ़ा तो उसमें 4 बार सरकारें बदल गई। इसलिए इसके आधार पर कोई एक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में एक दूसरे को हराने और जीताने की प्प्रतिस्पर्धा है।। संदेशखाली से लेकर अन्य मामलों के कारण वहां हिंदुओं के बड़े समूह के अंदर ममता बनर्जी को लेकर आक्रोश है।

सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है तो क्षेत्र के हिसाब से देखें तो कुछ जगहों में बहुत ज्यादा गिरावट नहीं है किंतु ज्यादातर में कमी आई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस इलाके में मतदान प्रतिशत घटना सामान्य स्थिति का परिचायक नहीं है। इस क्षेत्र को जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का विशेषण प्राप्त है। तो यह आकलन करना कठिन है कि जहां मतदान प्रतिशत गिरा वहां किनके मतदाता नहीं आए। पिछले चुनाव में भाजपा के लिए यह चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था तथा बसपा सपा ने उसे गंभीर चुनौती दी थी। अगर भाजपा विरोधी उसे हराना चाहते थे तो उन्हें भारी संख्या में निकलना चाहिए। कहा भी जा रहा है कि सपा के कोर मतदाता यानी मुसलमान और यादवों का बड़ा समूह आक्रामक होकर मतदान कर रहा था। कांग्रेस को भी इसका लाभ मिला होगा। किंतु विरोधी भारी संख्या में निकलेंगे तो समर्थक भी इसका ध्यान रखेंगे। हालांकि उम्मीदवारों के चयन, दूसरे दलों से आये लोगों को महत्व मिलने तथा कहीं -कहीं, गठबंधन को लेकर भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं में थोड़ा असंतोष है तथा एक जाति विशेष ने भी विरोधात्मक रूप अख्तियार किया था। बावजूद यह कहना कठिन होगा कि भाजपा समर्थक मतदाता ही ज्यादा संख्या में नहीं निकले। समर्थक कार्यकर्ता थोड़ा असंतुष्ट हों तो इसका असर होता है किंतु विरोधी तेजी से हराने के लिए निकले और इसके बावजूद वो प्रतिक्रिया न दें इस पर विश्वास करना कठिन होता है।

इस बात से इनकार करना कठिन है कि मतदाताओं की उदासीनता चुनाव में आरंभ से ही बनी हुई है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता के अंदर कहीं व्यापक आक्रोश या भारी विरोधी रुझान बिल्कुल नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं । श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा के समर्थकों और मतदाताओं में प्रतिक्रिया भी पैदा की है।

आम प्रतिक्रिया यही है कि प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी को ही होना चाहिए । लोग अगर वोट डालते समय यह विचार करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही बनाना है तो वो किसका समर्थन करेंगे ? कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों के एक समूह के असंतोष का कुछ असर हो सकता है। उन्होंने अगर काम नहीं किया या उनमें से कुछ नहीं मतदान से अपने को अलग रखा तो परिणाम पर इसके प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता । भाजपा नेतृत्व को इसका संज्ञान लेते हुए दूर करने का प्रयास करना चाहिए ।हालांकि जिनके अंदर असंतोष है उनमें भी यह भाव है कि अगर यह सरकार हार गई तो कहा जाएगा कि हिंदुत्व विचारधारा की हार हो गई है।

जिस जाति के विद्रोह की चर्चा हो रही है वहां भी लोगों के अंदर भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर सहानुभूति का भाव दिखता है। इसलिए यह मानने में भी कठिनाई है कि इन्होंने बिल्कुल एक मस्त आक्रामक होकर भाजपा के विरोध में मतदान किया होगा। ऐसा होने का अर्थ मतदान बढ़ना होना चाहिए।

मतदान कम होने को भाजपा विरोधी संकेत मानना उचित नहीं होगा। मतदान प्रतिशत सत्य पक्ष और विपक्ष दोनों की एक दूसरे के विरुद्ध प्रखर वायुमंडल बनाने से ही बढ़ता है। सत्ता पक्ष अपने कार्यकर्ताओं, समर्थकों के साथ आम लोगों के एक समूह के अंदर यह संवेग पैदा कर दे कि हर हाल में उसी की सत्ता में वापसी उनके एवं देश के हित में है तथा विपक्ष के आने से अहित होगा तो लोग अपने आप बाहर निकलते हैं। इसी तरह विपक्ष यदि अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं एवं गैर दलीय मतदाताओं के अंदर या भाव पीठ दिया कि यह सरकार आपके हितों के विरुद्ध काम कर रही है, इसका जाना ही आपके हित की रक्षा करेगा तो वह भी सरकार को हराने की मानसिकता में भारी संख्या में निकलेंगे। मतदान में गिरावट का अर्थ है कि या तो यह दोनों स्थिति नहीं बनी या कम बनी है या फिर इनमें से किसी एक में अवश्य कमी है।

नजरिया

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

मानवीय गतिविधियों और क्रिया-कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल-संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था, एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है। वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है।

लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।

पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिए प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल-संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है।

सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन हैं नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, इनकी रक्षा करो, इन्हें अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाकर या उनका जीर्णोद्धार करके बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं।

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से देखने योग्य है और अनुकरणीय भी हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नड्डा ने पूछाः 'इंडिया' गठबंधन में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर हमला तेज करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को सवाल किया कि उसकी ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा। नड्डा ने तेलंगाना के कोठागुडेम और महबूबाबाद में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भाजपा और उसके सहयोगी लोकसभा चुनाव जीतते हैं तो नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे लेकिन कोई नहीं जानता कि 'इंडिया' गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है। उन्होंने कहा, हमने तय किया है कि नरेन्द्र मोदी हमारे प्रधानमंत्री होंगे। लेकिन, मैं जानना चाहता हूं कि 'इंडिया' गठबंधन के 'घमंडिया' गठबंधन की ओर से प्रधानमंत्री कौन बनेगा। क्या किसी को पता है?

उन्होंने कहा, कौन बनेगा प्रधानमंत्री? मोदी जी बन जाएंगे। लेकिन, वहां (इंडिया गठबंधन) से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है? उम्मीदवार कौन है? भगवान न करे अगर राहुल गांधी बन जाएं, अगर कोई उन्हें आगे कर दे तो क्या वह कोरोना (महामारी) से लड़ पाएंगे । उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी महंगाई से लड़ने में सक्षम होंगे, विकास में योगदान दे पाएंगे और दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकेंगे । उन्होंने आरोप लगाया कि 'घमंडिया गठबंधन' के नेताओं की रुचि सत्ता में है न कि लोगों की सेवा में।

उन्होंने दावा किया कि मोदी कहते हैं कि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंक दो लेकिन विपक्षी गठबंधन के नेता कहते हैं भ्रष्ट को बचाओ। नड्डा ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की रैली में दो कुर्सियां खाली रखी जाती हैं, एक हेमंत सोरेन के लिए और दूसरी अरविंद केजरीवाल के लिए जो जेल में हैं। उन्होंने कहा, वे भ्रष्टाचारियों के साथ रैली करते हैं।

उन्होंने दावा किया, कांग्रेस इतनी घबराई हुई है कि तेलंगाना के उसके सोशल मीडिया मंच ने लोगों को गुमराह करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह के 'मनगढ़ंत' भाषणों को पोस्ट करने का सहारा लिया। उन्होंने पूछा कि यह घबराहट का नतीजा है या नहीं?

पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के दौरान तेलंगाना में भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, जब हम मौजूदा कांग्रेस सरकार को देखते हैं तो यही दिमाग में आता है कि उसकी मंशा भी नेक नहीं है। उन्होंने दावा किया, उनके मन में विचार यह है कि जो संपत्ति हम कड़ी मेहनत से अपने जीवन में कमाते हैं और उसे अपने बच्चों के लिए इकट्ठा करते हैं, उन्होंने गलत तरीकों से उस संपत्ति को हड़पने के लिए कर लगाने की योजना बनाई है। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') भ्रष्टाचार और परिवारवाद का गठबंधन है और इसमें शामिल पार्टियां अपने परिवारों के बच्चों को बचाने में लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी जमानत पर हैं या नहीं? सोनिया गांधी जमानत पर हैं या नहीं? ये सभी लोग जमानत पर हैं। पी चिदंबरम, कार्ति चिदंबरम, लालू यादव, ये सभी जमानत पर हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप के अन्य नेता तथा बीआरएस विधान पार्षद के. कविता जेल में हैं या नहीं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ये सभी लोग या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं। ये सभी लोग भ्रष्ट हैं। उनका आपसे कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सिर्फ अपने परिवार की चिंता है।

अपने संबोधन के दौरान नड्डा ने केंद्र में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विभिन्न विकास कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तार से बताया।

स्वागत

किन्नौर के स्किब्बा में सोमवार को भाजपा प्रत्याशी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

यूरोप के सबसे बड़े लगून के सरंक्षण के लिए संघर्ष करने वालीं टेरेसा विसेंट को 'ग्रीन नोबल' पुरस्कार

लॉस एंजिलिस। यूरोप के सबसे बड़े लगून के सरंक्षण के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने वालीं पर्यावरण कार्यकर्ता टेरेसा विसेंट ने गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार जीता है, जिसे 'ग्रीन नोबेल' के नाम से जाना जाता है। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए विसेंट कहती हैं कि उस समय वह स्पेन के मार मेनोर में बिल्कुल स्वच्छ पानी में तैरती थीं और समुद्री जीव उसमें साफ नजर आते थे लेकिन खनन और विकास कार्यों की वजह से होने वाले दीर्घकालिक प्रदूषण ने यूरोप के सबसे बड़े, खारे पानी के लगून को लगभग बर्बाद कर दिया। समुद्री तटों पर ज्वार की वजह से जब पानी की लहरें उठती हैं तो पानी तट पार कर आगे सूखे हिस्से में आ जाता है। लेकिन बाद में यह पानी भाटा के समय वापिस समुद्र में नहीं जाता। इस पानी के अवशोषण के कारण जमीन का यह भाग सतह से थोड़ा नीचे चला जाता है और झील बन जाती है जिसे लगून कहते हैं। वर्ष 2019 में बड़े पैमाने पर मछलियों की मौत ने दर्शनशास्त्र की प्रोफेसर विसेंट को लगून के सरंक्षण के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। अगले कुछ वर्षों में 61 वर्षीय विसेंट ने क्षेत्र की पारिस्थितिकी की दृष्टि से अहम जलक्षेत्र लगून को खत्म होने से बचाने के लिए जमीनी स्तर के एक अभियान का नेतृत्व किया।

फिल्म 'बैड न्यूज' में कॉमेडी करते नजर आयेंगी तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अपनी आने वाली फिल्म फिल्म बैड न्यूज में कॉमेडी करते नजर आयेंगी। वर्ष 2019 में प्रदर्शित अक्षय कुमार, करीना कपूर, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म गुड न्यूज प्रदर्शित हुयी थी। निर्माता करण जोहर और निर्देशक राज मेहता ने इस फिल्म की सीक्वल बैड न्यूज की घोषणा की है। इस फिल्म में मूल फिल्म के कलाकारों की जगह अभिनेता विक्की कौशल, एमी विर्क और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

संबोधिन

झामुमो नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने सोमवार को गिरिडीह जिले के गांडेय में गांडेय विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करने के बाद एक चुनावी रैली को संबोधित किया।

डार की उप प्रधानमंत्री के तौर पर नियुक्ति 'पूर्व नियोजित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के करीबी माने जाने वाले इशाक डार की उप प्रधानमंत्री पद पर नियुक्ति 'पूर्व नियोजित' है और यह वित्त मंत्रालय जाने के बाद पीएमएल-ए सुप्रीमों द्वारा 'भरपाई' के वास्ते की गई है। मीडिया ने सोमवार को यह दावा किया। डार (73) पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के दिग्गज नेता हैं। उन्हें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को 'तत्काल प्रभाव से और आगामी किसी आदेश तक' उप प्रधानमंत्री के पद पर नियुक्त किया।

शहबाज और डार इस समय विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की विशेष बैठक में हिस्सा लेने के लिए सऊदी अरब में हैं। डॉन अखबार के मुताबिक, डार की नए पद पर नियुक्ति ने 'कई लोगों को हतप्रभ किया लेकिन गठबंधन के किसी सहयोगी ने शायद ही इसकी आलोचना की है। खबर में कहा गया है कि डार को 'विरला ही' भरे जाने वाले उप प्रधानमंत्री पद से 'सम्मानित' करने के फैसले ने कई सवाल खड़े किए हैं। अखबार के मुताबिक, चर्चा है कि पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ चाहते थे कि संघीय मंत्रिमंडल के अहम पद पर कोई उनका 'विश्वसनीय' हो ताकि 'वित्त मंत्रालय के खोने के नुकसान की भरपाई की जा सके।'

इस कदम को नवाज शरीफ द्वारा सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व को वापस लेने के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। उन्हें पनामा लीक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पीएमएल-एन अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। डार को दोनों परिवारों के बीच वैवाहिक संबंध की वजह से नवाज शरीफ का करीबी माना जाता है। डार का बेटा नवाज शरीफ का दामाद है। खबर में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि डार की उप प्रधानमंत्री के तौर पर नियुक्ति 'पूर्व नियोजित' है। गठबंधन सरकार के गठन के समय ही फैसला ले लिया गया था कि डार उप प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि, जियो न्यूज की की खबर अनुसार, चार बार के वित्त मंत्री की विदेश मंत्री के रूप में नियुक्ति ने देश की कूटनीति में अर्थशास्त्र की भूमिका बढ़ाने का संकेत दिया है क्योंकि नकदी संकट से जूझ रहा देश , अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से एक और करार करने की कोशिश कर रहा है। सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पार्टी) के सूचना सचिव फैसल करीम कुंदी ने कहा कि उनकी पार्टी को डार के उप प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त किए जाने को लेकर कोई आपत्ति नहीं है।

'जॉली एलएलबी-3' की शूटिंग शुरू कर सकते हैं अरशद वारसी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवड में अपने कॉमिक अभिनय के लिये मशहूर अरशद वारसी जल्द ही राजस्थान में फिल्म जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। वर्ष 2013 में सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी 'जॉली एलएलबी' में अरशद वारसी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इसके बाद वर्ष 2017 में जॉली एलएलबी की सीक्वल प्रदर्शित हुयी, जिसमें अक्षय कुमार की मुख्य भूमिका थी।लंबे समय से इस फ्रेंचाइजी के फैंस को इसके तीसरे पार्ट का इंतजार है। कहा जा रहा है कि जॉली एलएलबी 3 में अक्षय और अरशद एक साथ दिखेंगे। कहा जा रहा है कि अरशद जल्द ही जॉली एलएलबी 3 शूटिंग शुरू करने वाले हैं।अरशद वारसी जल्द ही राजस्थान में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।शूटिंग लोकेशन पर प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है।

बताया जा रहा है कि 2024 में फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी और 2025 में फिल्म थिएटर्स में दस्तक दे सकती है।

नामांकन

ठाणे संसदीय सीट से भारत महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार राजन विचारे सोमवार को ठाणे में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए नामांकन दाखिल करने जाते हुए।

'साउथ एक्ट्रेस' टैग के चलते बॉलीवुड में काम मिलने में आ रही परेशानियां : सीरत कपूर

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस सीरत कपूर का कहना है कि साउथ एक्ट्रेस के रूप में पहचाने जाने के चलते हिंदी सिनेमा में प्रोजेक्ट के ऑफर्स मिलने में परेशानियां हुई है। 31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में खुद को स्थापित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बात की। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रॉकस्टार' में असिस्टेंट कोरियोग्राफर के रूप में सिनेमा में अपनी जर्नी शुरू करने वाली सीरत ने कहा, कई लोग मुझे साउथ एक्ट्रेस के रूप में जानते हैं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह बॉलीवुड में ऑफर्स मिलने के बीच रूकावटें पैदा करता है।दर्शकों के लिए यह सोचना आसान है कि अगर आप साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अच्छा कर रहे हैं तो आपको बॉलीवुड में आसानी से काम मिल सकता है। हालांकि, असल बात यह है कि बॉलीवुड में लीड रोल के लिए कोई भी प्रोजेक्ट पाने की प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण है। सीरत और भी बॉलीवुड फिल्में करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने लाइफटाइम में कम से कम एक बार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करूंगी। उन्होंने कहा कि तेलुगु सिनेमा से मेरा नाता हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, टॉलीवुड ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो आज मेरे पास है और मैं इसे पीछे नहीं छोड़ना चाहती। यहीं से मैंने शुरुआत की और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। सीरत ने कई तेलुगु फिल्मों में काम किया है, जैसे 'रन राजा रन', 'टाइगर', 'राजू गरी गांधी 2', 'ओक्का क्षणम' और 'मां विंता गाधा विनुमा' आदि। 2022 में, उन्होंने तुषार कपूर के साथ 'मारीच' के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की।

इरफान खानः जिनकी आंखें भी करती थीं अभिनय

मुंबई/एजेन्सी

पुण्यतिथि पर विशेष

बॉलीवुड में इरफान खान को ऐसे दमदार अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिनकी आंखें भी अभिनय करती थीं। गहरी नशीली आंखे, ठहरी आवाज, वह बॉलीवुड के हीरो की तरह नहीं था लेकिन उसके चुंबकीय व्यक्तित्व में कुछ ऐसा था जो लोगों को बरबस जोड़ लेता सम्मोहित कर लेता। इरफान खान का नाम जेहन में आते ही सबसे पहले उनकी आंखें याद आती हैं। वह एक ऐसे अभिनेता थे, जो बड़ी ही संजीदगी से अपनी आंखों से अभिनय करते थे। इरफान के पिता भी कहते थे कि 'ये आंखें हैं या प्याला हैं'। राजस्थान के जयपुर में इरफान खान का जन्म एक मुस्लिम पठान परिवार में 07 जनवरी 1967 को हुआ था। इरफान खान उन दिनों क्रिकेटर बनना चाह रहे थे। इस बात का खुलासा इरफान ने खुद ही एक इंटरव्यू के दौरान किया था। इरफान खान ने कहा था ,एक वक्त था जब मैं क्रिकेट खेलता था। मेरा सेलेक्शन सीके नायडू टूर्नामेंट के लिए हुआ था।उसमें मेरे 26 साथी चुने गए थे जिन्हें एक कैंप में जाना था, लेकिन मैं नहीं जा पाया, क्योंकि कैंप में जाने के लिए मैं पैसे का इंतजाम नहीं कर पाया। मैंने डिसीजन लिया कि क्रिकेट छोड़ देना चाहिए, क्योंकि इसमें किसी न किसी के सहयोग की जरूरत होगी।'

इरफान खान अभिनेता बनना चाहते थे । इरफान खान ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला ले लिया था। उन्हीं दिनों पिता की मृत्यु हो गई। जिसके बाद घर से पैसे मिलने बंद हो गए। स्कूल में पढ़ाई के लिए उनकी स्कॉलरशिप का आवेदन को स्वीकार कर लिया था। इरफान खान अपनी एक्टिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई चले गए। मुंबई में आकर इरफान खान ने काफी स्ट्रगल किया। वह एक्टिंग से पहले इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे। इरफान को एक बार राजेश खन्ना के घर पर एसी ठीक करने का काम मिला था। जब वह राजेश खन्ना के घर एसी ठीक करने गए, तो राजेश खन्ना की दाई ने दरवाजा खोला था। उस समय इरफान ने पहली बार राजेश खन्ना को देखा था और उन्हें देखकर बहुत खुश हुए थे। मुंबई में इरफान खान ने फिल्मों के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। हालांकि इरफान के शुरूआती दिन काफी संघर्ष भरे खे। इरफान को फिल्मों के बजाय टीवी सीरियल में छोटे-मोटे रोल मिलने लगे थे। इरफान खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत वर्ष 1987 में दूरदर्शन के सीरियल 'श्रीकांत' से की। इसके अलावा उन्होंने 'भारत एक खोज, चाणक्य, चंद्रकांता, सारा जहां हमारा, बनेगी अपनी बात और संजय खान के धारावाहिक 'जय हनुमान' में काम किया।

टेलीविजन में करियर बनाने के दौरान ही मीरा नायर ने इरफान खान को वर्ष 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'सलाम बॉम्बे' में कैमियो रोल दिया था, लेकिन फिल्म में उनका सीन कट गया था। इसके बाद इरफान ने वर्ष 1990 में प्रदर्शित फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' में काम किया।इस फिल्म में पंकज कपूर और शबाना आजमी की लीड भूमिका थी। इसमें इरफान ने एक बेबाक रिपोर्टर की भूमिका निभाई थी।सलाम बॉम्बे में रोल कटने के बाद मीरा नायर ने इरफान से वादा किया था कि किसी अन्य फिल्म में लीड रोल देंगी। उन्होंने वर्ष 2006 में रिलीज फिल्म 'द नेमसेक' में उन्हें लीड रोल दिया। वर्ष 2001 में 'द वारियर' फिल्म से इरफान की जिंदगी बदल गई। इस फिल्म के बाद से इरफान को कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। वर्ष 2004 में 'हासिल' फिल्म में इरफान को एक नेगेटिव किरदार में देखा गया था। इस किरदार के लिए इरफान को खूब तारीफ मिली थी।इरफान खान को बतौर लीड रोल अपनी पहली फिल्म वर्ष 2005 में मिली थी। इस फिल्म का नाम रोग था। जिसमें इरफान ने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन इस फिल्म में इरफान की एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया था। इसी फिल्म से इराफान की खूबसूरत आखों को नोटिस किया गया। कहा जाता था कि इरफान की आंखें दमदार अभिनय करती हैं।

बॉलीवुड में हिट होने के साथ ही इरफान की एंट्री हुई हॉलीवुड में जहां उन्होंने स्पाइडर मैन, जुरासिक वर्ल्ड और इन्फर्नो जैसी फिल्मों में अभिनय किया। हाल ही में हॉलीवुड एक्टर टॉम हैंक्स ने इरफान खान की सराहना करते हुए कहा था कि- इरफान की आंखें भी अभिनय करती हैं।'बीहड़ में तो बागी होते हैं, डकैत मिलते हैं पार्लियामेंट में' इरफान की फिल्म पान सिंह तोमर का ये डायलॉग आज भी लोगों की जुबां पर रहता है। इरफान खान जब भी अपनी फिल्मों में डायलॉग बोलते थे तो उनके अंदाज ए बयां के लोग कायल हो जाते थे।

इरफान खान एक ऐसे अभिनेता थे, जो फिल्मों के बजट और एक्ट्रेस से कहीं ज्यादा फिल्म की कहानी और अपने किरदार को महत्व देते थे।इरफान खान ने अपने करियर के दौरान मकबूल, लंच बॉक्स, हासिल, लाइफ ऑफ पाइ, हिंदी मीडियम, हैदर,पीकू जैसी कई कामयाब फिल्मों में काम किया। 'अंग्रेजी मीडियम' इरफान खान की आखिरी फिल्म थी,जो 2017 में आई उनकी सुपरहिट फिल्म हिंदी मीडियम का सीक्वल थी।

'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' की शूटिंग के लिए सर्बिया की सरकार ने दिए 50 टैंक : निर्देशक संतोष सिंह

मुंबई/एजेन्सी

'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' के निर्देशक संतोष सिंह ने सर्बिया में शूटिंग के बारे में कुछ खास जानकारी दी और इसे सपोर्टिव लोकेशन के रूप में सराहा। निर्देशक ने खुलासा किया कि सर्बिया में उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के शूटिंग के लिए 50 टैंक उपलब्ध करवाए गए। संतोष सिंह ने एक बयान में कहा, सर्बिया में मैंने दूसरी बार शूटिंग की। मुझे वहां शूटिंग करना बहुत पसंद है। यह बहुत खुली और सपोर्टिव लोकेशन है। 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' की शूटिंग के लिए उन्होंने हमें 50 टैंक दिए, वह भी बिना किसी हिचकिचाहट के।''

उन्होंने कहा, मेरी पिछली सीरीज के लिए भी हम वहां तीन महीने रूके थे, क्योंकि वह कोविड का समय था।

निर्देशक ने कहा, हम वहां रूके, एक महीने तक शूटिंग की और फिर वहीं रहकर दो महीने में पोस्ट-प्रोडक्शन पूरा किया। यात्रा प्रतिबंधों के कारण वापस जाना संभव नहीं था। वहां शूटिंग और काम करने का मेरा अनुभव हमेशा अच्छा रहा है। 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' सीरीज जियो सिनेमा पर स्ट्रीम है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय काँठाप्रांत युवक परिषद द्वारा आयोजित केपीपीएल-6 मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अरिहंत एवेंजर्स ने जीत लिया। रेल्वे ग्राउंड में आयोजित रोमांचक फाइनल मुकाबले में सुरेंद्र गुन्देचा के स्वामित्व वाली अरिहंत एवेंजर्स टीम ने अंतिम ओवर में तीन छक्के लगाकर धर्मीचंद डंक के स्वामित्व वाली श्री स्ट्राइकर्स को हराकर खिताब अपने नाम किया।

अरिहंत एवेंजर्स टीम ने जीता मोतीलाल मुणोत कप

श्री स्ट्राइकर्स टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय काँठाप्रांत युवक परिषद द्वारा आयोजित केपीपीएल-6 मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अरिहंत एवेंजर्स ने जीत लिया। रेल्वे ग्राउंड में आयोजित रोमांचक फाइनल मुकाबले में सुरेंद्र गुन्देचा के स्वामित्व वाली अरिहंत एवेंजर्स टीम ने अंतिम ओवर में तीन छक्के लगाकर धर्मीचंद डंक के स्वामित्व वाली श्री स्ट्राइकर्स को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रवीण सुराणा को प्रतियोगिता का मैन ऑफ दि सीरिज़, प्रतीक सेहलोत को बेस्ट बल्लेबाज तथा प्रवीण सुराणा को बेस्ट गेंदबाज चुना गया। मुख्य प्रायोक महेंद्र मुणोत सहित अनेक प्रायोजकों की उपस्थिति में यह आयोजन हुआ। भंवरलाल शांतिलाल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतियोगिता के प्रत्येक छक्के पर निश्चित धन राशि काँठा परिषद की डायलिसिस योजना में प्रदान की गई।पारितोषिक समारोह में परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप कार्यक्रम में शामिल भारतीय सेना के मेजर प्रदीप सेहलोत ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि अगर मन में कुछ करने का जज्बा हो तो दुनिया का कोई भी कार्य कठिन नहीं है। उनका परिचय खेल समिति सदस्य शेखर चाणोदिया ने दिया। मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से न केवल काँठा समाज के युवाओं में मेलजोल बढ़ता है अपितु सैकडों की संख्या में मैच देखने को उमड़े काँठा प्रांतीय दर्शकों से एक मिनी सम्मेलन जैसा आभास होता है। राजेंद्र कोटरिया ने कहा कि काँठा प्रांत के युवाओं को खेल प्रतिभा दिखाने का यहां अच्छा अवसर मिलता है। विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने जीतो की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का विवरण रखा। काँठा समाज के श्रीपाल खींवेसरा ने कहा कहा कि युवा इस मंच से खेल के साथ-साथ उचित व्यवसायिक अवसर भी खोज सकते है। केपीपीएल संयोजक विजय गुगलिया एवं सह संयोजक अमित कोठारी के अनुसार मेजर प्रदीप सेहलोत की माता किरणबाई सेहलोत ने विजेता एवं उपविजेता टीम के मलिकों को सेना का एक प्रत्येक चिन्ह देकर सम्मानित किया। विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार तथा सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर सभी प्रायोजकों व टीम मलिकों के साथ विशेष अतिथियों के रूप में डा. प्रकाश मुणोत, हुकमीचंद भलगट, पारसमल बोहरा, प्यारेलाल टपरावत, रमेशचंद बोहरा के साथ समाज के कई गणमान्य नागरिक तथा सैकडों की संख्या में दर्शक उपस्थित थे। संचालन परिषद के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

नाहर चैलेंजर्स टीम बनी लक्ष्मी ग्रुप नाहर प्रीमियर लीग विजेता

अनिल फिर बने संघ के अध्यक्ष, कल्पेश बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नाहर सेवा संघ कर्नाटक ने टाइटल प्रायोजक के रूप में लक्ष्मी ग्रुप (नाहर इंजीनियर्स) के सहयोग से लक्ष्मी ग्रुप नाहर प्रीमियर लीग 2024 का आयोजन किया, जो कर्नाटक में रहने वाले नाहरों के लिए विशेष रूप से बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन किया। बीईएल रोड स्थित ग्राऊंड पर आयोजित इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों के बीच 12 लीग मैच, 2 सेमीफाइनल मैच खेले गए। फाइनल मैच नाहर चैलेंजर्स और मानक इंडियन टीम के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। फाइनल मैच में मानक इंडियन टीम ने 8 ओवर में 49 रन बनाकर, जबकि नाहर चैलेंजर्स केवल 7.3 ओवर में 50 रन बनाकर विजेता रही। नाहर वॉरियर्स के संदीप नाहर को मैन ऑफ दि मैच के खिताब से नवाजा गया। महिला क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 1 में नाहर मल्टी टाइटन्स फाइनल में सात्विक क्वीन्स टीप विजेता रहीं। उद्घाटन समारोह के नाहर सेवा संघ कर्नाटक के अध्यक्ष गौतमचंद नाहर, शीर्षक प्रायोजक हर्षिल नाहर जर्सी प्रायोजक अरुण नाहर, तमिलनाडु नाहर एसोसिएशन के अध्यक्ष हंसराज नाहर अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समापन समारोह में संघ के उपाध्यक्ष अनिल नाहर, वीरेंद्र नाहर व मंत्री कल्पेश नाहर सहित संयुक्त सहमंत्री प्रवीण नाहर व सहकोषाध्यक्ष महेश नाहर सहित युवा अध्यक्ष दीपेश ने अतिथियों का सम्मान किया। इस मौके पर सर्वसम्मत्ति से अनिल नाहर को अध्यक्ष और कल्पेश नाहर को वर्ष 2024-26 के लिए सचिव के रूप में पुनः चुना गया।

उत्तरप्रदेश सेवा मंडल ने मनाया संगीतमय होली उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उत्तरप्रदेश सेवा मंडल का होली उत्सव रविवार की शाम गांधीनगर वैष्णव भवन संगीतमय ढंग से सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष केके दुबे ने सभी का स्वागत किया तथा मंडल के सेवा कार्यों का सहयोग देने के लिए समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं दानदाताओं से मिले सक्रिय सहयोग की सराहना की। इस मौके पर महिलाओं व बच्चों युवाओं सहित अनेक लोगों ने संगीत की प्रस्तुतियां दी और आनंद भी उठाया। मंडल के प्रवीण मिश्र, नरेशकुमार, रश्मि लहरी, डीसीपी पाशा, जबीउल्ला आदि ने सदाबहार व फिल्मी होली के गीतों के साथ फ़िल्मी गीतों की प्रस्तुति की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी लोकायुक्त मिस्टरबाली पाशा मौजूद रहे। इस अवसर पर सचिव वीके पटेल, कोषाध्यक्ष विवेक गोयल, पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र गर्ग, गोपाल चौरसिया, एनके गुप्ता, प्रमोद जैन, छोटेलाल चौरसिया, सचिव अजय जैन, अशोक शर्मा, जितेंद्र गुप्ता, सूरज गोयल, सुभाष अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, पूर्व सचिव योगेश मित्तल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा ने किया। सचिय वीके पटेल ने धन्यवाद दिया।

माहेश्वरी प्रीमियर लीग की विजेता बनी 'दे घुमाके टीम'

मोतीचूर के लड्डू टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी युवा संघ द्वारा माहेश्वरी प्रीमियर लीग - 2024'एमपीएल' का आयोजन जेएमआर क्रिबिज ग्राउंड में किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवल मालू, माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव निर्मला कांकानी, माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, सचिव कुशल जाजू, मुख्य प्रायोजक प्रेसिडेंट टीएमटी के सुंदर सोमानी, राकेश राठी, परिधान प्रायोजक वेणुगोपाल बजाज, खेल टीम के प्रमुख हितेश सोनी व निखिल सोनी ने दीप प्रज्वलन किया। प्रतियोगिता में कुल 8 टीमें खेली तथा 'दे घुमाके टीम' विजेता बनी तथा मोती चूर के लड्डु उपविजेता रही। मुख्य अतिथि के रूप में वैशाली भूतड़ा उपस्थित थीं जिन्होंने एंकरिंग और कमेंट्री भी की। संघ के कोषाध्यक्ष प्रतीक लोया ने संचालन किया। वैशाली भूतड़ा के साथ पुरस्कार प्रायोजक जगदीश भूतड़ा द्वारा खिलाड़ियों को चांदी के सिक्के वितरित किए गए। संघ के उपाध्यक्ष विवेक भूतड़ा, संयुक्त सचिव ऋचा मारू, चेतन साबू ने कार्यक्रम में सहयोग रहा। कोमल जाजू ने उद्घाटन समारोह का संचालन किया। इस मौके पर संघ के अनेक पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरू जीतो चैप्टर के चेयरमैन कांतिलाल चौहान, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, श्रमण आरोग्यम योजना के संयोजक राजन बाघमार, सदस्य हरीश हेगड़े,सुनील जैन आदि ने मैसूर में विराजित आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी और मुनिवृंदों के दर्शन वंदन कर आशीर्वाद लिया। पदाधिकारियों ने आचार्यश्री को श्रमण आरोग्यम की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए उन्हें स्वास्थ्य कार्ड बना कर देने की बात कही। आचार्य ने जीतो के माध्यम से जनहित में किए जा रहे कार्यो की सराहना की।

भगवान पर विश्वास ही सफलता का सूचक है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमखंडी। स्थानीय धर्मनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में पहुंचे आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने एक स्कूल में अपने प्रवचन में कहा कि पूर्वकाल में किसान एक दाना भी खेत में डालता ओर ऊपर देखकर विश्वासपूर्वक कहता है कि मैंने दाने बो दिए है, बारिश होती है और एक दाना भी बेकार नहीं जाता क्योंकि भरोसा भगवान का होता है। कहने का तात्पर्य है कि यदि एक किसान भगवान पर विश्वास कर इतना अनाज पैदा करता है तो हमें भी प्रभु व भगवान पर विश्वास कर अपने आप को हर परिस्थिति में खुश रखना चाहिए। हमें प्रभु की दिए हुए उपहारों में कभी भी मिलावट नहीं करना चाहिए। आचार्यश्री ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को चाहिए कि वह अनाज के चक्कर में जमीन पर जहर अर्थात केमिकल नहीं डालना चाहिए, प्रभु पर विश्वास करते हुए कार्य करना चाहिए। परन्तु कुछेक किसान प्रभु पर विश्वास न करते हुए अपने स्वार्थ के लिए केमिकल का प्रयोग कर रहे है जिसके चलते प्रकृति का संतुलन बढ़ रहा है, इसलिए गर्मी व बारीश का संतुलन बिगड़ गया है।

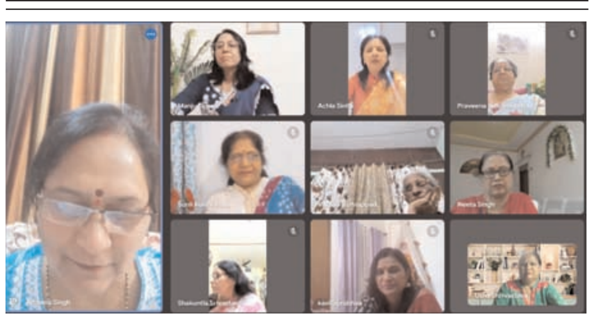

भाषा साहित्य मंच की त्योहारों पर आधारित हुई गोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाषा साहित्य मंच अप्रैल माह की त्योहारों नव वर्ष, नवरात्रि,रामनवमी, हनुमान जयंती आदि पर्वों पर आधारित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। संस्थापिका अध्यक्षा डॉ उषा श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन के साथ गोष्ठी का शुभारंभ किया ।

डॉ कविता सिंह ने सरस्वती वंदना की। डॉ उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। गोष्ठी में डॉ सीमा भाँति, शकुन्तला श्रीवास्तव, डॉ. वत्सला किरण, डॉ. उषा श्रीवास्तव, डॉ भूमिका श्रीवास्तव, भगवती गौड़, अचला प्रवीन, डॉ नीता सिंह, मंजु तँवर, अर्चना सिंह, सरिता श्रीवास्तव, सुषमा सुनील कुलश्रेष्ठ, नलिनी पोपट, पूनम कटियार, कविता सिंह और प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी।

डॉ. वत्सला किरण ने अपना अध्यक्षीय भाषण दिया। पूनम कटियार ने सभी को धन्यवाद दिया। मंजु तँवर और सुषमा सुनील कुलश्रेष्ठ ने संचालन किया।

मैत्री, प्रमोद, करुणा जीवन के लिए महामंगल है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के एमएल जैन बोर्डिंग में विराजित अंतर्मना आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि महामंत्र नवकार एक ऐसा मंत्र है, जिसमें कोई बीजाक्षर नहीं है। यह महामंत्र णमोकार खुद पॉवरफुल मंत्र है, इस मंत्र को जो व्यक्ति जीवन में 8 करोड़, 8लाख, 8 हजार, 8 सौ 8 बार पढ़ लेता है , वो व्यक्ति कभी दरिद्री, लूला, लंगड़ा, अपाहिज, मंदबुद्धि, अकाल में मरण नहीं होता। जय जिनेंद्र सामने वाले से हाथ जोड़कर करने से वर्षों-वर्षों की कषाय खत्म हो जाते है, बैर की गाँठें खुल जाती है। दिल मिले न मिले पर हाथ मिलाते रहना चाहिए। धर्म की अनुभूति का द्वार मैत्री व प्रेम है । धर्म हृदय समान है, यह तर्क की नहीं , समर्पण , प्रेम , मैत्री की भाषा समझता है। मैत्री, प्रमोद, करुणा जीवन के लिए महामंगल हैं ।

जेवाईएस ने महावीर जन्मकल्याणक समारोह में सहयोगी संघ संस्थाओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन(जेवाईएस) ने गत 21 अप्रैल को श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव में सहयोग प्रदान करने वाली संघ संस्थाओं का सम्मान केआर रोड स्थित जैन विद्यालय में किया गया।

सम्मान समारोह में संगठन के अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा ने समारोह में उपस्थित सभी संघ संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। संगठन के सहमंत्री विशाल गुगलिया ने संगठन के सम्पूर्ण कार्यक्रम से अवगत करवाया, साथ ही 19 मई को आने वाले कार्यक्रम चतुर्विध संघ स्थापना दिवस पर सामूहिक सामयिक दिवस, 2 जून को धरती मां की गोद भराई 5.0 पौधारोपण की जानकारी दी। जन्म कल्याणक महोत्सव मे करीब 150 संघ संस्थाओं ने अलग अलग सेवाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा का समारोह की व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग दिया। संघ संस्थाओं में विशेष रूप से भगवान महावीर के सिद्धांतों को दर्शाती झांकियों के विजेता संस्थाओं का भी सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह के चेयरमैन अभिषेक पगरिया ने बताया कि सम्मान समारोह में 115 संघ संस्थाओं की उपस्थिति रही एवं उनका सम्मान किया गया। मंच संचालन पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल के साथ में पूर्व सहमंत्री रितेश मेहता ने किया। उपाध्यक्ष महावीर मुणोत ना धन्यवाद दिया। यह जानकारी सहमंत्री विशाल गुगलिया ने दी।

हनुमंतनगर कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला 16 प्रतिभागियों को मिला प्रमाणपत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद् हनुमंतनगर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन अभातेयुप के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पवन मांडोत ने किया। तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रकाशचंद लोढ़ा ने अभातेयुप के इस आयाम की प्रशंसा की। राष्ट्रीय प्रभारी सीपीएस व प्रशिक्षक दिनेश मरोठी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक विनीत सिंघवी, आयाम सलाहकार सीपीएस सतीष पोरवाड़, बेंगलूरु संभाग प्रमुख अमित दक , सभा अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने अपने विचार व्यक्त किए। 21 सहभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी तत्पश्चात् परिषद् द्वारा उन्हें प्रमाणपत्र दिए गए। 6 श्रेष्ठ सहभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सभी अतिथियों का परिषद की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप व तेयुप से अनेक सदस्य उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक ललित बाफना , मोहित भण्डारी, दीपक बोल्या, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया व विजय कटारिया, सह मंत्री सुमित चिंडालिया, संगठन मंत्री दीक्षित सोलंकी का विशेष श्रम रहा। मंत्री राजीव हीरावत ने संचालन किया।

वेबिनार में पूर्व व वर्तमान फार्मेसी विद्यार्थियों ने इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट के बारे में जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विजय संभव फाउंडेशन और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, शिक्षक, छात्र, पूर्व छात्र अलुमिनी (फार्मेसी) संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान के शिक्षक, विद्यार्थियों और बाकी अलुमिनी (फार्मेसी) फार्मा, ग्राहक परिसर उपकरण फोरम का इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट पर एक सकारात्मक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में विजय संभव फाउंडेशन की कानूनी सलाहकार सोनल कीर्ति ने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई और करीब 90 मिनट के इस सत्र में बीआईटी मेसरा के फार्मेसी शाखा के अलुमिनी, प्रोफेसर और विद्यार्थियों को विषय पर संबोधन दिया। उन्होंने व्यावसायिक अनुप्रयोगों और वास्तविक दुनिया के परिप्रेक्ष्य में ध्यान केंद्रित करते हुए वेबिनार ने उपस्थित लोगों को फार्मास्यूटिकल उद्योग में पेटेंट कानूनों की व्यापक समझ प्रदान की। वेबिनार को अरुण कुमार, संजीत घोष, उमेश कुमार, सतीश सी पाठक, पूजा एस बैनर्जी, सीमाओर यशस्वी रमन जैसे विशिष्ट अलुमनी ने आयोजित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com